मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 12
शुक्रवार, 18 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ–6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

महाराष्ट्र विधानसभा परिसर में भिड़े विधायक जितेंद्र आव्हाड और गोपीचंद पडलकर के समर्थक

मुंबई, 17 जुलाई। महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर और एनसीपी-एससीपी नेता जितेंद्र आव्हाड के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। यह तीखी बहस एक दिन पहले दोनों नेताओं के बीच कार का दरवाजा खोलने को लेकर हुई बहस के बाद हुई है, जो कथित तौर पर गाली-गलौज तक बढ़ गई। बुधवार को मामूली विवाद से शुरू हुआ यह मामला शुक्रवार को गंभीर रूप ले लिया जब दोनों नेताओं के समर्थक विधान भवन परिसर में आमने-सामने आ गए।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूरे मामले को लेकर कहा कि जो स्थिति उत्पन्न हुई है वह सही नहीं है। यह महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष और महाराष्ट्र विधान परिषद अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसलिए इस मुद्दे पर ध्यान दिया जाना चाहिए। विधान भवन में इस तरह के झगड़े नहीं होने चाहिए। इसलिए इस मुद्दे की उचित जांच होनी चाहिए। वहीं, जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि पूरा महाराष्ट्र जानता है कि हमलावर कौन था। हमसे बार-बार सबूत मांगे जा रहे हैं, जबकि पूरे देश ने देखा है कि हमला किसने किया। गुंडों को विधानसभा में घुसने दिया जा रहा है और विधायकों की सुरक्षा खतरे में है। मुझे गालियाँ दी गईं, जान से मारने की धमकी दी गई। उन्होंने

दावा किया कि 'कुत्ता', 'सुअर' जैसे अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया। क्या विधानसभा में यही होना अपेक्षित था? मैं भाषण देकर बाहर आया ही था कि ये लोग मुझसे भिड़ गए। अगर विधानसभा में विधायक सुरक्षित नहीं हैं, तो हम विधायक क्यों रहें? गोपीचंद पडलकर ने कहा कि यहां जो कुछ हुआ उससे मैं सचमुच दुखी हूं। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है... मैं खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा, अगर गुंडे विधानसभा तक पहुंच गए हैं, तो राज्य के गृह मंत्री और मुख्यमंत्री को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। विधानसभा में इस तरह का आचरण उचित नहीं है। इससे पहले गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा के गेट पर गोपीचंद पडलकर और जितेंद्र आव्हाड के बीच तीखी बहस हुई।

यह झड़प तब हुई जब पडलकर अपनी कार से बाहर निकले और कथित तौर पर दरवाजा जोर से बंद कर दिया। आव्हाड ने उन पर जानबूझकर ऐसा करने का आरोप लगाया और दावा किया कि जोर लगाने से उन्हें नुकसान हो सकता था। इस पर तीखी बहस हुई और दोनों नेताओं ने सबके सामने अपशब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे राजनीतिक तनाव और बढ़ गया।

विदेश नीति पर पाकिस्तान जैसी भाषा बोलते हैं राहुल गांधी : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 17 जुलाई। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद के मानसून सत्र से पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया और उन्हें राष्ट्र-विरोधी या देश के खिलाफ कुछ भी न बोलने की सलाह दी। रिजिजू ने विदेश नीति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करने के पीछे गांधी की मंशा पर सवाल उठाया और कहा कि देश के लिए अच्छा काम करने में विपक्ष की भी भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा देश की विदेश नीति पर प्रधानमंत्री की आलोचना करने से देश का भला नहीं होगा। देश के विकास में विपक्ष की भी भूमिका है। संसद में चर्चा होगी, लेकिन विदेश नीति पर दो राय नहीं होनी चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता पर पाकिस्तान की भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस तरह से गांधी विदेश नीति पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं, उससे देश को नुकसान होता है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान, हमने विदेश नीति को लेकर प्रधानमंत्री पर अलग से हमला नहीं किया। जिस तरह से राहुल गांधी पाकिस्तान की भाषा बोलकर विदेश नीति पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं, उससे देश को नुकसान होता है। हम उन्हें सलाह देंगे कि विपक्ष के नेता होने के नाते उन्हें देश-विरोधी कुछ भी नहीं कहना चाहिए।

रिजिजू की यह टिप्पणी राहुल गांधी द्वारा विदेश मंत्री एस जयशंकर पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी मुलाकात को लेकर हमला करने के एक दिन बाद आई है। उन्होंने दावा किया था कि वह भारत की विदेश नीति को बर्बाद करने के उद्देश्य से एक ₹पूरी तरह से फैला हुआ सर्कस₹ चला रहे हैं। अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी जयशंकर पर निशाना साधा और बताया कि कैसे चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को भरपूर समर्थन दिया।

गांधी ने एक्स पर लिखा, मुझे लगता है कि चीनी विदेश मंत्री आएंगे और (प्रधानमंत्री) मोदी को चीन-भारत संबंधों में हालिया घटनाक्रमों से अवगत कराएँगे। विदेश मंत्री अब भारत की विदेश नीति को बर्बाद करने के उद्देश्य से एक बड़ा सर्कस चला रहे हैं।

केरल में भारी बारिश से भूस्खलन, जलभराव और नदियों का जलस्तर बढ़ा

केरल, 17 जुलाई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को अनुमान जताया कि 22 जुलाई तक केरल में भारी बारिश जारी रहेगी। इसे देखते हुए कासरगोड, कन्नूर, कोझिकोड, वायनाड और त्रिशूर के जिला कलेक्टरों ने गुरुवार को शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश की घोषणा की है।

केरल में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कोझिकोड जिले में मामूली भूस्खलन की घटनाएं हुई और कई घरों में पानी भर गया है, वहीं राज्य के अन्य हिस्सों में निचले इलाकों में जलभराव और विभिन्न नदियों के जलस्तर में वृद्धि देखी गई है।

कासरगोड जिले में उप्पला, मंजेश्वरम, माधूर और पुथिगे

समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे स्थानीय प्रशासन ने नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी जारी की है। इसी तरह की चेतावनियां कोझिकोड में कोरापुझा और कुट्टियाडी, कन्नूर में पेरुम्बा और वायनाड में काबनी नदियों के आसपास रहने वाले लोगों के लिए भी जारी की गई हैं।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि छह अन्य जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी के अनुसार, ऑरेंज अलर्ट का अर्थ है 11 से 20 सेमी तक बहुत भारी वर्षा, जबकि येलो अलर्ट का अर्थ 6 से 11 सेमी तक भारी वर्षा है।

युद्ध स्तर पर पूर्ण हों विकास परियोजनाएं, नवंबर तक टीबी मुक्त हो वाराणसी : सीएम योगी

◆मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था, स्वच्छता, शिक्षा और बिजली आपूर्ति की भी समीक्षा की; फेक अकाउंट्स और अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती के निर्देश

सुरेश गांधी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को वाराणसी में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर जिले में चल रही विकास परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कोई भी परियोजना अनावश्यक रूप से लंबित न रहे। कार्यदायी संस्थाएं अतिरिक्त संसाधनों के साथ अभियान मोड में काम करें, अन्यथा कार्रवाई तय है।

मुख्यमंत्री ने जनस्वास्थ्य पर विशेष जोर देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि नवंबर 2025 तक जिले को पूरी तरह टीबी मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए चिकित्सकीय विभाग के साथ जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ₹यह सिर्फ चिकित्सा का नहीं, जनचेतना का भी अभियान होना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह दौरा सिर्फ एक प्रशासनिक बैठक नहीं, बल्कि विकास, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और पर्यावरण इन छह स्तंभों पर आधारित कुशल शासन मॉडल का प्रस्तुतीकरण है। उनके निर्देश यह दशार्ते हैं कि लक्ष्य सिर्फ परियोजनाएं पूरी करना नहीं, बल्कि जमीन पर असर लाना है। यही वजह है कि योगी शासन में टाइमलाइन और ग्राउंड इम्पैक्ट दोनों को महत्व दिया जा रहा है।

बैठक की शुरूआत में जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले की प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति, बाढ़ की स्थिति और स्वच्छता व्यवस्था की जानकारी दी। बताया गया कि जिले में 64 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 15,000 करोड़ रुपये है। कज्जाकपुरा फ्लाईओवर का निर्माण कार्य सितंबर 2025 तक पूरा किया जाएगा। पुलिस कमिश्नर ने श्रावण मास में कानून व्यवस्था व यातायात प्रबंधन की तैयारी से अवगत कराया। एडीजी जोन ने बताया कि निगरानी के लिए सीसीटीवी, पेट्रोलिंग और गो-तस्करों तथा शराब माफिया पर कार्रवाई जारी है।

वाराणसी में बिजली आपूर्ति की स्थिति को सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी इलाके में अनावश्यक बिजली कटौती न हो। विद्युत विभाग को पूरे समर्पण से कार्य करना होगा। उन्होंने परिषदीय विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि कोई भी विद्यालय शिक्षकों से विहीन न रहे। बच्चों को यूनिफॉर्म, जूते, बैग, पाठ्यपुस्तकें समय से मिले, यह प्राथमिकता होनी चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि वाराणसी स्वच्छता में पीछे नहीं रह सकता। यह काशी है, प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र है, सांस्कृतिक राजधानी है। इसे स्वच्छता रैंकिंग में देश के टॉप-5 शहरों में आना ही चाहिए।

सीएम योगी ने किया बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई निरीक्षण, राहत शिविरों की व्यवस्था पर जताई संतुष्टि

●संगीत पाथवे से लेकर सोवा रिग्पा मेडिकल कॉलेज तक विकास योजनाओं की जमीनी समीक्षा

●सीएम योगी ने हवाई निरीक्षण कर बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की ली स्थिति की जानकारी

●सलारपुर में राहत शिविरों का निरीक्षण, भोजन-पानी व चिकित्सा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान बाढ़ पीड़ितों की स्थिति का जायजा लिया, राहत शिविरों की व्यवस्थाएं देखीं और जिले में चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। गुरुवार को उन्होंने हवाई निरीक्षण के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति को जाना और सलारपुर क्षेत्र में राहत सामग्री का वितरण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि बाढ़ पीड़ितों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। राहत शिविरों में साफ-सफाई, चिकित्सा, भोजन और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ राहत के हर प्रयास को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ करें। यह दौरा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विकास और संवेदना के द्वैतीय दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है झ जहाँ एक ओर वह राहत कार्यों के माध्यम से पीड़ितों के बीच खड़े हैं, वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक और चिकित्सा क्षेत्र की परियोजनाओं को मूर्त रूप देने में सक्रिय रूप से जुटे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सारनाथ स्थित केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान परिसर में बन रहे सोवा रिग्पा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का भी स्थलीय निरीक्षण किया।

यह संस्थान भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति सोवा रिग्पा के प्रचार-प्रसार एवं चिकित्सीय सेवा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

निरीक्षण के दौरान कॉलेज प्रबंधन द्वारा मुख्यमंत्री को महात्मा बुद्ध का चित्र स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया गया। मुख्यमंत्री ने इस पहल को भारत की प्राचीन चिकित्सा परंपरा और बौद्ध संस्कृति के पुनरुत्थान की दिशा में बड़ा कदम बताया।

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में फुलवरिया तिराहा से लेकर केंद्रीय कारागार की दीवार के समानांतर बन रहे संगीत पाथवे का भी निरीक्षण किया। यह पाथवे लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबा व 15 फीट चौड़ा है, जिसका 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

मेटा के प्लेटफॉर्म पर कन्नड़ के गलत अनुवाद से उपयोगकर्ता हो रहे गुमराह : सिद्धरमैया

कर्नाटक, 17 जुलाई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कन्नड़ की सामग्री के गलत स्व-अनुवाद (ऑटो ट्रांसलेशन) पर चिंता जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है और उपयोगकताओं को गुमराह कर रहा है।सिद्धरमैया ने कहा कि उनके मीडिया सलाहकार ने औपचारिक रूप से इन प्लेटफॉर्म की मूल कंपनी मेटा को पत्र लिखकर तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया मंचों को खासतौर पर सरकारी संचार में जिम्मेदारी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को इस बारे में सचेत रहना चाहिए कि इन प्लेटफॉर्म पर होने वाला अनुवाद अक्सर गलत होता है।सिद्धरमैया ने एक्स पर लिखा, मेटा प्लेटफॉर्म पर कन्नड़ सामग्री के दोषपूर्ण स्व-अनुवाद में तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है और उपयोगकताओं को गुमराह किया जा रहा है। आधिकारिक संचार के मामले में यह विशेष रूप से खतरनाक है। मेरे मीडिया सलाहकार ने मेटा को औपचारिक रूप से पत्र लिखकर तत्काल सुधार का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के.वी. प्रभाकर ने 16 जुलाई को मेटा को लिखे पत्र में इस संबंध में मुख्यमंत्री की ओर से गंभीर चिंता प्रकट की है। उन्होंने लिखा, हमने चिंता के साथ इस बात को संज्ञान में लिया है कि कन्नड़ से अंग्रेजी का स्व-अनुवाद अक्सर गलत रहता है और कुछ मामलों में तो बहुत ज्यादा भ्रामक होता है। प्रभाकर ने कहा कि सरकारी संचार, विशेष रूप से मुख्यमंत्री जैसे किसी संवैधानिक प्राधिकार के पत्रों की संवेदनशीलता को देखते हुए त्रुटिपूर्ण अनुवाद टूल से इस तरह का गलत अनुवाद अस्वीकार्य है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

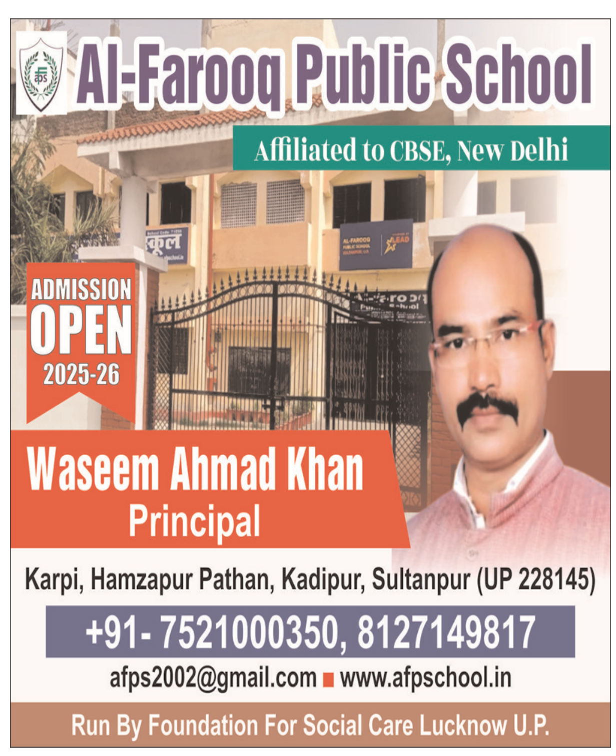

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

-ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था

कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है। नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि ह्यदेश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है, संविधान खतरे में है, तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत ह्यआंतरिक अशांति के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है। देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में ह्यमतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।

विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी। विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति विकास की बजाय विरोध पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है। विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर तानाशाही, संविधान बदलने की साजिश, जनविरोधी नीतियों जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं। क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में विपक्ष का यह दुष्प्रचार केवल उनकी साख को ही नुकसान पहुंचा रहा है। विपक्ष को चाहिए कि वह सकारात्मक राजनीति करे, वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करे, और जनता के विश्वास को अर्जित करे, न कि लोकतंत्र के अस्तित्व को ही संदेह के घेरे में लाकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डाले। राजनीति केवल विरोध नहीं, समाधान का माध्यम होनी चाहिए।

धर्म परिवर्तन करवाने वालों को पूरा जाल फैला है देश में

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने कुछ समय पूर्व बलरामपुर में जलालुद्दीन उर्फ छांगूर बाबा द्वारा चलाए जा रहे 100 करोड़ रुपये के इस्लामिक धर्मांतरण रैकेट का पदार्फाश किया था और उसकी आगे की जाँच में देश में उसके कई गुर्गे धरे जा रहे है । गैर-मुस्लिमों, विशेष रूप से हिंदू लड़कियों को रोमांटिक रिश्तों, बल या प्रलोभन के माध्यम से धर्मांतरण के लिए लुभाने वाला यह जिहादी रैकेट पहला ऐसा मामला नहीं है; बल्कि, यह अभी तक एक और खिलाड़ी है जो प्रेम जाल, यौन जबरदस्ती, ब्लैकमेल, और विदेशी फंडिंग की एक भयावह प्लेबुक को अंजाम दे रहा है, हिंदुओं को निशाना बना रहा है और इस्लाम में परिवर्तित कर रहा है।

यहां तक कि इस्लामो-वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र इस कथा को स्थापित करने पर तुला हुआ है कि लव जिहाद एक भाजपा-नियोजित षड्यंत्र सिद्धांत है, धोखा और 'इस्लामोफोबिया' का एक और रूप है, विभिन्न इस्लामी संगठनों द्वारा प्रेम, हेरफेर, जबरदस्ती और वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से धर्मांतरण के लिए हिंदू महिलाओं को लक्षित करने का एक व्यवस्थित ऑपरेशन किया जा रहा है।जहां एक मुस्लिम युवक को युवा लड़कियों को परेशान करने के लिए हिंदू मंदिर के अंदर थप्पड़ मारा जाना बड़े भारतीय और विदेशी अखबारों में सुर्खियां बटोरता है, वहीं हिंदू नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाने वाले जिहाद और इस्लामिक धर्मांतरण रैकेट के मामले भी खबर के लायक नहीं हैं। हालांकि, इस्लामी प्रभुत्व का दावा करने के अलावा जनसांख्यिकीय परिवर्तन लाने के आवर्ती पैटर्न और इस्लामवादी चाल को उजागर करने के लिए इस जिहादी विरोधी हिंदू साजिश के गंदे पानी में तल्लीन करना उचित है।

बताया जाता है कि जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा हिंदू महिलाओं को लुभाने और उन्हें इस्लाम में परिवर्तित करने के लिए मुस्लिम पुरुषों को पैसे प्रदान करता था। मुस्लिम पुरुष अपनी पहचान नकली बनाते थे और हिंदू महिलाओं को निशाना बनाने के लिए हिंदू नामों का सहारा लेते थे। जलालुद्दीन इन मुस्लिम पुरुषों की हिंदू महिलाओं के साथ मुस्लिम विवाह (निकाह) करता था, जिन्हें वे बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे। उसने और उसके गिरोह के कई सदस्यों ने कथित तौर पर लगभग 40 बार इस्लामी देशों की यात्रा की।

जलालुद्दीन के गैंग के रडार पर हिंदू लड़कियां ही नहीं, हिंदू पुरुष भी रहे हैं। संचित नाम का एक हिंदू व्यक्ति, जो छांगुर बाबा के आवास पर स्वीपर के रूप में काम करता था, ने खुलासा किया कि जलालुद्दीन ने उसे और उसके परिवार को इस्लाम में परिवर्तित होने से इनकार करने के लिए प्रताड़ित किया। धमकियों और यातना के अलावा, जमालुद्दीन ने इस्लाम में धर्मांतरण के लिए अपने लक्ष्यों को वित्तीय प्रलोभन भी दिए।

छांगुर बाबा से जुड़े एक अन्य मामले में, हरियाणा के फरीदाबाद में एक 15 वर्षीय हिंदू लड़की को उसके मुस्लिम पड़ोसियों आमिर हुसैन और उसकी बहन नेहा खान और बाद में छांगुर पीर के गिरोह के नियंत्रण वाले अन्य लोगों द्वारा बहला-फुसलाकर फंसाया गया और उसका यौन शोषण किया गया। उसकी हिंदू पहचान को व्यवस्थित रूप से मिटा दिया गया था, उसे नमाज अदा करने, मांस खाने, बुर्का पहनने के लिए मजबूर किया गया था, और उसके दुर्व्यवहार को उसके कैदियों द्वारा ब्लैकमेल के रूप में इस्तेमाल करने के लिए फिल्माया गया था।लखनऊ में, मानवी शर्मा नाम की एक हिंदू महिला को एक मुस्लिम व्यक्ति, मेराज अंसारी ने बहला-फुसलाकर 'रुद्र शर्मा' के रूप में पेश किया। उसे कानपुर ले जाया गया, जबरन इस्लाम में परिवर्तित किया गया और जमालुद्दीन उर्फ छांगूर पीर की देखरेख में शादी कर दी गई। बाद में, उसे अश्लील वीडियो के साथ प्रताड़ित किया गया और ब्लैकमेल किया गया।बलरामपुर में, एक हिंदू व्यक्ति, हरजीत को छांगुर पीर और उसके सहयोगी अब्दुल मबदूद द्वारा परेशान किया गया, ब्लैकमेल किया गया और अंततः इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए मजबूर किया गया। नौकरी का लालच देकर फिर झूठे केस करने की धमकी देकर बाद में हिंदू धर्म में लौट आए।

2021 में वापस, उत्तर प्रदेश आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने एक सामूहिक धर्मांतरण रैकेट का पदार्फाश किया और मौलाना मोहम्मद उमर गौतम और उसके साथी मुफ्ती काजी जहांगीर को दिल्ली से गिरफ्तार किया, कथित तौर पर 1,000 से अधिक लोगों को इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया। इस्लामिक दावा सेंटर (आईडीसी) नाम का संगठन चलाने वाले दोनों और उनके अन्य सहयोगियों पर शादी, नौकरी और पैसे और मानसिक दबाव जैसे प्रलोभनों के माध्यम से लोगों के इस्लाम में सामूहिक धर्मांतरण का आरोप लगाया गया था।अपराधियों ने अलग-अलग विकलांग बच्चों को गैर-मुसलमानों से नफरत करने, इस्लाम स्वीकार करने के लिए ब्रेनवॉश किया और उन्हें आत्मघाती हमलावरों के रूप में इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे, क्योंकि ऐसे बच्चों से प्रतिशोध की गुंजाइश सीमित है।

एटीएस ने 31 गैर-मुस्लिम लड़कियों के नाम के साथ एक सूची बरामद की, जो उनके धर्मांतरण के जाल में फंस गईं, और इनमें से ज्यादातर लड़कियां ग्रामीण इलाकों की थीं। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर एटीएस अधिकारियों को बताया कि गांवों में रहने वाली लड़कियों का ब्रेनवॉश करके इस्लाम कबूल करना आसान है। वे ज्यादातर अशिक्षित हैं और कम विशेषाधिकार प्राप्त परिवारों से संबंधित हैं। इसलिए उन्हें नौकरियों और वित्तीय सहायता का लालच देना आसान हो जाता है, जो कि उमर गौतम ने इस्लाम को गले लगाने के लिए अपने लक्ष्य को लुभाने के लिए किया था।यह बताया गया था कि मुफ्ती काजी जहांगीर कासमी और मोहम्मद उमर गौतम द्वारा चलाए जा रहे धर्मांतरण रैकेट में भारत के सबसे वांछित आतंकवादी और जमात-उद-दावा प्रमुख हाफिज सईद से फंडिंग थी। धर्मांतरण का यह रैकेट 'मोटिवेशन कैंप' के तौर पर चलाया जा रहा था। इसके अलावा, इस्लामिक दावा सेंटर- उमर गौतम के संगठन के कुख्यात इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक के सहयोगी के साथ संबंधों का भी पता चला है। यह भी सामने आया कि पाकिस्तान की आईएसआई भी इस धर्मांतरण रैकेट को फंडिंग कर रही थी।

जून 2025 में, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की एक नाबालिग लड़की को फंसाया गया और उसके गाँव से केरल लाया गया, जहाँ उसे इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया गया और आतंकवादी अभियानों के लिए भर्ती किया गया। प्रयागराज के फूलपुर इलाके में एक 15 वर्षीय दलित लड़की को बहला-फुसलाकर उसके गांव से ले जाया गया और फिर 19 वर्षीय कहकाशा बानो और 25 वर्षीय मोहम्मद कैफ द्वारा केरल ले जाया गया, जहां उसे इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए मजबूर किया गया और जिहाद की तैयारी के लिए मजबूर किया गया। चौंकाने वाला मामला 28 जून को तब सामने आया जब गुड्डी देवी ने बताया कि कहकशां उर्फ दरकाशा बानो नाम की एक स्थानीय महिला ने बेहतर अवसरों और पैसे के नाम पर उसकी बेटी को ले लिया। हिंदू दलित लड़की के साथ मोहम्मद कैफ ने भी छेड़छाड़ की थी।पुलिस को संदेह था कि हिंदू लड़कियों को इस्लाम में लुभाने और उन्हें जिहादी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित करने के लिए एक अंतरराज्यीय जिहादी गठजोड़ चल रहा है।

जून 2025 में, उत्तर प्रदेश के आगरा जिले की दो हिंदू बहनों का ब्रेनवॉश किया गया और उन्हें इस्लाम में परिवर्तित कर दिया गया। बड़ी बहन सबसे पहले अपनी ही दोस्त साइमा द्वारा धार्मिक संवारने और धर्मांतरण के दुष्चक्र का शिकार हुई, जो उधमपुर,

जम्मू-कश्मीर की रहने वाली थी। बाद में, उसने अपनी छोटी बहन को तैयार किया। दोनों बहनें कई महीनों से लापता थीं।मामला दर्ज होने के बाद, पुलिस ने एक जांच शुरू की और पाया कि मामला कमजोर हिंदू लड़कियों के धर्म परिवर्तन के पैटर्न का पालन करता है, जैसा कि फिल्म 'द केरल स्टोरी' में दिखाया गया था। हिंदू बहनें इस्लामिक धर्मांतरण रैकेट का शिकार होने से उसी जिहादी गिरोह का सक्रिय हिस्सा बन गईं।

सितंबर 2024 में, उत्तर प्रदेश पुलिस ने मुरादाबाद जिले में एक इस्लामी धर्मांतरण रैकेट का पदार्फाश किया। यह रैकेट एक शादीशुदा मुस्लिम दंपति, मुस्तफा और हिना द्वारा चलाया जाता था। वे अपने सिलाई और कढ़ाई केंद्र की आड़ में एक रूपांतरण रैकेट संचालित करते थे। मुस्तफा पर एक हिंदू लड़की का यौन शोषण करने और इसे रिकॉर्ड करने का भी आरोप लगाया गया था। उसने पीड़िता को धमकी भी दी थी कि वह उसका अश्लील वीडियो लीक कर देगा। एक हिंदू लड़की की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आज हालात यह है कि इंटरनेट पर धर्मांतरण शब्द लिखिए और एक के बाद एक लिंक खुलते चले जाएंगे। उत्तर प्रदेश से लेकर केरल तक धर्म परिवर्तन का कथित जाल फैला हुआ है। कम से कम खबरें तो यही संकेत देती हैं। अक्सर चैरिटी की आड़ में होने वाला ये कन्वर्जन दशकों से चला आ रहा है। लेकिन इसका अल्टीमेट फायदा किसे मिलेगा, जो इस काम के लिए भारी फंडिंग हो रही है? क्या दुनिया में एक धर्म की मेजोरिटी हो जाए तो इसका लाभ किसी एक देश या किसी एजेंडा को हो सकता है?कुछ समय पहले बांग्लादेश से तस्वीरें आई थीं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री बांटते हुए लोग नाबालिग हिंदुओं से अपना धर्म छोड़ने की बात कर रहे थे। कई बार देश के आदिवासी बहुल इलाकों से खबरें आती हैं कि वहां के लोग फलां धर्म अपना लें, इसके लिए पूरा गिरोह काम कर रहा है, जो साम-दाम-दंड-भेद सब अपनाता है। कन्वर्जन हमेशा तलवार की नोक पर नहीं हुआ, बल्कि मदद की आड़ में भी मन फिरते रहे।

समोसा - जलेबी का स्वाद अब बढ़ाने लगा है कोलेस्ट्रॉल

-सुरेश गांधी

कल तक शुद्ध देसी घी में तली जलेबी का प्रचार दुकानों के बाहर चमक रहा था, अब वहां लिखा मिलेगा, जलेबी का सेवन मधुमेह और मोटापे का कारण बन सकता है, सोच-समझकर खाएं। समोसे के साथ अब चटनी नहीं, कोलेस्ट्रॉल का गणित मिलेगा। और पकौड़ी की थाली में स्वाद से पहले संतुलन की चेतावनी पढ़नी होगी! सरकार 14 खास खाद्य वस्तुओं को लेकर ऑयल-शुगर बोर्ड लगाने की योजना बना रही है। यह सिगरेट जैसी चेतावनी नहीं है, लेकिन यह बताया जाएगा कि इन फूड्स में चीनी, नमक और वसा की मात्रा अधिक होती है। यह कदम लोगों में स्वस्थ भोजन की जागरूकता फैलाने के लिए है। यह अलग बात है कि भारतीय समाज में खाना सिर्फ पेट भरने का जरिया नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और भावना का हिस्सा है। ऐसे में समोसे की हर गली में मौजूदगी और जलेबी का हर पर्व में स्थान सामान्य नहीं है. यह हमारी रसोई की आत्मा का अंश है। लेकिन जब यही स्वाद बीमारियों की जड़ बनने लगे, तो सरकार का हस्तक्षेप स्वास्थ्य की दिशा में एक आवश्यक पहल मानी जानी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन काम करने वाली एफएसएसएआई ने 14 ऐसे खाद्य पदार्थों की सूची जारी की है, जिनमें अत्यधिक चीनी, नमक या तेल की मात्रा होती है। इस सूची में समोसा, जलेबी, पिज्जा, बर्गर, चिप्स, केक, मिठाइयाँ, पकौड़ी आदि शामिल हैं।

अब सार्वजनिक जगहों, जैसे रेलवे स्टेशन, स्कूल-कॉलेज की कैंटीन, ऑफिस कैफेटेरिया आदि पर इन चीजों के पास तेल और शक्कर सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे, जिनमें बताया जाएगा कि इन खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन मोटापा, हृदय रोग, डायबिटीज और कैंसर जैसे खतरे बढ़ा सकता है। बता दें, भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में गिना जाता है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि हम लाइफस्टाइल डिजीज यानी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की दौड़ में भी सबसे आगे हैं। हर साल लाखों युवा डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और दिल की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण हमारी थाली में शामिल वो स्वाद है, जो स्वास्थ्य की कीमत पर आता है। समोसा-जलेबी सिर्फ स्वाद नहीं, अब खतरे का संकेत भी हैं। यदि हम समय रहते नहीं चेते, तो यह भोजन हमारी संस्कृति की पहचान से ज्यादा, हमारी बीमारियों का परचम बन जाएगा। सवाल उठता है कि क्या केवल बोर्ड लगाना पर्याप्त है? क्या लोग वास्तव में चेतावनी पढ़कर अपनी आदतें बदलेंगे? खासकर जिस देश में सड़क किनारे पत्तल पर बटर-चिकन खा लेने को साहस माना जाता है, वहाँ तेल और चीनी की मात्रा से डराने की कोशिश शायद बहुत धीमी गोली हो। इसलिए यह जरूरी है कि सरकार इस पहल के साथ जनजागरूकता अभियान चलाए, स्कूलों के पाठ्यक्रम में पोषण शिक्षा को गंभीरता से जोड़े और सबसे बढ़कर, सस्ती और स्वास्थ्यप्रद खाद्य सामग्री को हर आम आदमी तक उपलब्ध कराए।

यहां जिक्र करना जरुरी है कि भारत में मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के दस्तावेज बताते हैं कि 2050 तक भारत में 44.9 करोड़ लोग मोटापे या अधिक वजन से प्रभावित हो सकते हैं। खराब खानपान और कम शारीरिक गतिविधि इसके मुख्य कारण हैं। इसलिए सरकार जंक फूड को सिगरेट की तरह खतरनाक मानकर लोगों को सतर्क करना चाहती है। पीएम मोदी ने भी कहा था- खाने में तेल और शक्कर घटाएं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 फरवरी को मन की बात के 119वें एपिसोड में हेल्थ का का जिक्र करते हुए थे कहा था कि एक फिट और स्वस्थ भारत बनने के लिए हमें ओबेसिटी (मोटापा) की समस्या से निपटना ही होगा। एक स्टडी के मुताबिक, आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। बीते सालों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है। हाल ही में मोटापे की समस्या पर एक रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2050 तक 44 करोड़ से अधिक भारतीय मोटापे का शिकार होंगे। यह आंकड़ा डरावना है। इसका मतलब है कि मोटापे के कारण हर तीन में से एक व्यक्ति गंभीर बीमारी से पीड़ित हो सकता है। मोटापा घातक हो सकता है। हर परिवार में एक व्यक्ति मोटापे का शिकार होगा। यह बड़ा संकट होगा। इसलिए, आप तय कर लीजिए कि हर महीने 10 फीसदी कम तेल उपयोग करेंगे। ये मोटापा कम करने की दिशा में एक अहम कदम होगा.

एफएसएसएआई के अनुसार, मतलब साफ है अब समोसे को खाने से पहले उसके बगल में लगे बोर्ड को पढ़िए, जैसे ट्रेन पकड़ने से पहले टाइमटेबल पढ़ते हैं। अब बोर्डो पर लिखा मिलेगा, जलेबी खाने से दिल टूटा नहीं, लेकिन कोलेस्ट्रॉल जरूर बढ़ा, ये नया नारा जल्द ही स्कूल-कॉलेज की कैंटीन की दीवारों पर दिखेगा! यह सिगरेट जैसी चेतावनी नहीं है, लेकिन यह बताया जाएगा कि इन फूड्स में चीनी, नमक और वसा की मात्रा अधिक होती है। यह कदम लोगों में स्वस्थ भोजन की जागरूकता फैलाने के लिए है। यही वजह है कि समोसा और जलेबी आजकल देशभर में

स्वाद ही नहीं, अब समझ भी जरूरी है। यही संदेश देती दिख रही है केंद्र सरकार और एफएसएसएआई की नई पहल, जिसमें जलेबी-समोसा जैसे चटपटे व तली-मीठे खाद्य पदार्थों के साथ अब ऑयल-शुगर चेतावनी बोर्ड लगाने का निर्णय लिया गया है। सिगरेट की डिब्बी पर चेतावनी की तरह नहीं, लेकिन इतना जरूर कि खाने वाले को उसकी प्लेट में स्वाद के साथ जोखिम का भी जायका महसूस हो। मतलब साफ है सरकार ने स्वाद के पीछे छिपे संकट को उजागर करने की कोशिश की है। यह सिर्फ समोसे और जलेबी पर हमला नहीं, बल्कि हमारी आदतों और स्वास्थ्य के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास है. हमें न केवल चेतावनी पढ़नी है, बल्कि उसे समझना और जीवनशैली में परिवर्तन लाना है। क्योंकि बदलते भारत में अगर कुछ सबसे जरूरी है, तो वो है स्वस्थ शरीर और सजग भोजन

चर्चा का विषय बना हुआ है. ऐसे में हर किसी के मन में सवाल है कि यदि कोई रोजाना समोसा-जलेबी खाता है तो वो किस तरह से शरीर के लिए अनहेल्दी हो सकता है? स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने तथा मोटापे और गैर-संचारी रोगों से निपटने के लिए सभी सरकारी मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों को ऑयल एंड शुगर बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं. उनका कहना है कि ऐसे पोस्टर या डिजिटल बोर्ड लगाए जाएं जिससे लोगों को पता रहे कि आप कितना फैट और शुगर खा रहे हैं. ये बोर्ड स्कूलों, ऑफिसों, सार्वजनिक संस्थानों आदि जगह लगाए जाएंगे. इसमें रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों में मौजूद फैट और शुगर के बारे में जानकारी होगी. बता दें, देश में कई ऐसे लोग हैं जहां समोसा-जलेबी को नाश्ते के रूप में रोजाना खाया जाता है. पारंपरिक भारतीय स्नैक्स (जैसे समोसा, वड़ा पाव और जलेबी) आमतौर पर तले हुए और कैलोरी से भरपूर होते हैं, जिनमें भारी मात्रा में अनहेल्दी फैट और एक्स्ट्रा चनी होती है और आम तौर पर बिकने वाले रूप में इनमें फाइबर या पोषक तत्व बहुत कम होते हैं. अब ऐसे में हमने हार्ट और लिवर डॉक्टर से जाना कि यदि कोई लगातार 15 दिन तक समोसा-जलेबी खाता है तो उसकी सेहत पर क्या असर हो सकता है...

समोसा (100 ग्राम), जलेबी (100 ग्राम) कैलोरी-261 कैलोरीज 300 कैलोरीज, प्रोटीन-.5 ग्राम 2.6 ग्राम कार्बन-24 ग्राम 58 ग्राम कुल फैट-17 ग्राम 7 ग्राम ट्रांसफैट 0.6 ग्राम पॉलीअनसैचुरेटेड फैट 4.8 ग्राम 0.4 ग्राम मोनोअनसैचुरेटेड फैट 4.2 ग्राम 2 ग्राम कोलेस्ट्रॉल 27 ग्राम 17 ग्राम फाइबर 2.1 ग्राम 0.8 सोडियम 423 मिलीग्राम 9.4 ग्राम समोसा-जलेबी खाने से लिवर पर होगा कैसा असर? के जवाब में विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सुनील कुकरेजा ने बताया कि समोसे-जलेबी डीप फ्राई होते हैं और वो सेहत के लिए अच्छे नहीं माने जाते. जब कोई अत्यधिक शुगर और तली हुई चीजों को लगातार खाता है तो उसका असर उसके शरीर में दिखने लगता है. यदि कोई पंद्रह दिन तक लगातार समोसा और जलेबी खाता है तो मेरे हिसाब से अधिक प्रॉब्लम नहीं होनी चाहिए लेकिन जब वही चीज वो लगातार कई महीनों-सालों तक खाते रहते हैं तो उससे बॉडी में काफी गलत असर हो सकता है. समोसे में मौजूद अनहेल्दी फैट्स से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और ब्लॉकिज, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है. ज्यादा फैट शरीर को इंसुलिन रेजिस्टेंट बना सकता है, जिससे ब्लड शुगर नहीं कंट्रोल होता और ये धीरे-धीरे डायबिटीज में बदल सकता है. ट्रांस फैट्स से मेमोरी कमजोर हो सकती है जिससे मूड स्विंग और याददाश्त संबंधी समस्याएं हो सकती हैं. अधिक फैट डाइजेशन को धीमा करता है जिससे एनर्जी कम होती है और नींद आती रहती है. अधिक चीनी खाने से आपका तुरंत इंसुलिन स्पाइक होता है. जैसे ही इंसुलिन स्पाइक होता है तो बॉडी को मैसेज पहुंचता है कि शुगर अधिक आ गई है, इसे जल्दी से भविष्य के लिए स्टोर कर लो. अब जैसे ही आप रोज-रोज इतनी एक्स्ट्रा चीनी खाते हैं तो लगातार फैट स्टोर होने से आपका वजन बढ़ने लगता है. मोटापा बढ़ने से फैटी लिवर, हार्ट के प्रॉब्लम, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल की समस्याएं भी होने लगती हैं. हालांकि ये समस्याएं लॉन्ग टर्म में काफी खतरनाक साबित हो सकती हैं. आप चाहें को महीने में 1 बार इन चीजों को टेस्ट के लिए खा सकते हैं लेकिन वो भी आप घर पर बनाकर खाएं. समोसे को हेल्दी रखने के लिए आप एयर फ्रायर का इस्तेमाल कर सकते हैं जिससे उसे तलने की जरूरत नहीं होगी.

समोसा-जलेबी खाने से हार्ट पर होगा कैसा असर? के जवाब में डॉ. एमके साहनी ने बताया कि समोसा और जलेबी का अधिक सेवन कार्डियोलॉजिस्ट बॉडी के लिए अनहेल्थी होते हैं लेकिन वो डायरेक्ट हार्ट पर अचानक प्रभाव नहीं डालते लेकिन लंबे समय में इससे हार्ट और कोलेस्ट्रॉल की समस्याए.हो सकती हैं. समोसा और जलेबी को वेजिटेबल ऑयल में बनाया जाता है तो ट्रांस फैट और सेचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक हो जाती है. ट्रांस फैट और सेचुरेटेड फैट दोनों ही एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाकर हार्ट हेल्थ पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं और ट्रांस फैट के मामले में, एचडीएल (अच्छे) कोलेस्ट्र.स्ट्रॉल के लेवल को भी कम कर सकते हैं, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसे हृदय संबंधी रोगों का खतरा बढ़ जाता है. वैसे शरीर को ट्रांस फैट की आवश्यकता नहीं होती इसलिए इससे बचना चाहिए. सेचुरेटेड फैट को भी दैनिक कैलोरी सेवन के 10 प्रतिशत से कम ही रहना चाहिए. यानी कि अगर कोई 2000 कैलोरी लेता है तो उसकी 200 कैलोरी से कम सेचुरेटेड फैट से आना चाहिए. यदि लगातार कोई 15 दिन तक भी समोसा-जलेबी खाता है तो उसका वजन बढ़ेगा औप उससे कोलेस्ट्रोल भी इंक्रीज होगा जो कि हार्ट पर सीधा इफेक्ट डालता है. धीरे-धीरे हार्ट के अंदर बहुत सारी तकलीफें शुरू हो जाएंगी. लगातार वही स्थिति बनी रहने से सीवियर हार्ट ककंडीशन हो सकती है इसलिए सभी को संभलकर ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए.

यह सूची ज्यादा तेल व चीनी वाले आम स्नैक्स और मिठाइयों की है, जिसमें समोसा, जलेबी, पकौड़ी, चाऊमीन, पिज्जा, बर्गर, चिप्स, केक, पेस्ट्री, नमकीन, मिठाइयां (खासकर रसगुल्ला, गुलाब जामुन), कोल्ड ड्रिंक, सोडा, पानीपुरी, गोलगप्पा, फ्राइड स्नैक्स, फ्रेंच फ्राइज आदि शामिल है। हालांकि यह कोई प्रतिबंध या बैन नहीं है, बल्कि लोगों को सोच-समझकर खाने के लिए प्रेरित करना, बच्चों, बुजुर्गों और डायबिटिक मरीजों को जागरूक करना, स्कूल, ऑफिस और सार्वजनिक स्थानों पर स्वास्थ्य-संबंधी सूचना देना है। यह केवल सूचना आधारित बोर्ड होंगे, जैसेः इस फूड आइटम में शुगर/फैट्स ज्यादा हैं, अत्यधिक सेवन से मोटापा और अन्य रोग हो सकते हैं, एफएसएसएआई के मुताबिक यह चेतावनी इसलिए जरूरी है, क्योंकिः

मोटापा-अत्यधिक तेल और चीनी से वजन बढ़ता है

हृदय रोग-ट्रांस फैट्स और सैचुरेटेड फैट्स खतरनाक

डायबिटीज-ज्यादा मिठाई/शुगर से शुगर लेवल असंतुलित होता है

कैंसर का खतरा- कुछ शोधों में अत्यधिक प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का लिंक बताया गया है।

राजेश खन्ना : फिल्मी दुनिया का बेताज बादशाह,अपनों का सदाबहार काका

प्रदीप कुमार वर्मा

रुपहले पर्दे का एक सुपरस्टार , एक बेहतरीन फिल्म निमार्ता, एक दमदार एवं लोकप्रिय राजनेता और एक सदाबहार जिंदा दिल इंसान। वैसे तो राजेश खन्ना ताउम्र किसी पहचान के मोहताज नहीं रहे लेकिन रस्म-ए- दस्तूर है कि आज उनकी पुण्यतिथि है और फिल्म जगत सहित पूरी दुनिया उनको याद कर रही है। आज ही के दिन 18 जुलाई 2012 को मुंबई में एक लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया। हालांकि फिल्मी रंगमंच पर तब से अब तक कई सितारे आए और गए लेकिन ₹काकाₜ की जगह कोई नहीं ले सका। राजेश खन्ना ने छोटे नाटकों और रंगमंच से अपने अभिनय की शुरूआत की और फिल्मी दुनिया में शोहरत का नया मुकाम हासिल किया। उन्होंने कई फिल्में भी बनाई और इसके साथ ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता के रूप में राजनीति में भी हाथ आजमाया।

राजेश खन्ना वर्ष 1991 से 1996 के बीच नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के सांसद रहे। लेकिन राजनीति राजेश खन्ना को रास नहीं आई और इसके बाद उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया। काका उर्फ जतिन खन्ना उर्फ राजेश खन्ना का जन्म तत्कालीन ब्रिटिश भारत में 29 दिसंबर 1942 में पंजाब प्रांत के अमृतसर में हुआ। स्कूली दिनों से ही राजेश खन्ना का झुकाव अभिनय की ओर था। इसलिए उन्होंने अपने करियर की शुरूआत थियेटर से की और फिर बॉलावुड पर कई सालों तक राज किया। भले ही राजेश खन्ना को उनके फैंस ₹काकाₜ के नाम से पुकारना पसंद करते हैं। लेकिन राजेश खन्ना का पहला नाम जतिन खन्ना था। उनके चाचा ने उनका नाम जतिन से बदलकर राजेश कर दिया। इस नाम ने न केवल उन्हें शोहरत दी, बल्कि यह नाम हर युवक और युवती के जेहन में अमर हो गया। प्रख्यात फिल्म अभिनेता राजेश खन्ना ने अपने अभिनय करियर की शुरूआत चेतन आंनद की फिल्म ह्यआखिरी खत से की थी। इसके बाद साल 1969 में आई शक्ति सामंत की फिल्म अराधना से राजेश खन्ना एक सफल एक्टर के रूप में बॉलीवुड में स्थापित हो गए। फिल्म ह्यआराधना के बाद राजेश खन्ना बॉलीवुड में रोमांटिक एक्टर के रूप में फेमस हो गए। आराधना के बाद हिन्दी फि ल्मों के पहले सुपरस्टार का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार 17 सोलो सुपरहिट फि ल्में दीं। इनमें आराधना, इत्त्फाक, दो रास्ते, बंधन, डोली, सफर, खामोशी, कटी पतंग, आन मिलो सजना, ट्रैन, आनन्द, सच्चा झूठा, दुश्मन, महबूब की मेंहदी तथा हाथी मेरे साथी शामिल है। वह एक ऐसा जमाना था जब किसी फिल्म में राजेश खन्ना की मौजूदगी को उसे फिल्म के सुपरहिट होने का पैमाना माना जाता था। करीब 50 साल के करियर में राजेश खन्ना उर्फ जतिन खन्ना और काका को फिल्म फेयर सहित कई पुरस्कार मिले। जिनमे वर्ष 2013 में मिला प्रतिष्ठित पद्म भूषण पुरस्कार भी शामिल है। अपने फि ल्मी करियर में उन्होंने 180 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया और तीन बार फिल्मफेयर पुरस्कार जीते। राजेश खन्ना को फि ल्मफेयर पुरस्कार के लिये चौदह बार तथा बंगाल फि ल्म जर्नलिस्ट अवार्ड के लिये पच्चीस बार नामांकित किया गया। दोनों पुरस्कारों के लिये कुल उन्तालिस बार के नामांकन में उन्हें तीन बार फि ल्मफेयर पुरस्कार एवं चार बार बंगाल फि ल्म जर्नलिस्ट अवार्ड मिला। राजेश खन्ना को दस बार ऑल इंडिया क्रिटिक्स पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया और उन्हें सात बार अवार्ड मिला। राजेश खन्ना सुपरस्टार तो थे ही, उनके अफेयर भी उनकी तरह ही काफी सुपर रहे। सबसे पहले 70 के दशक में अंजू महेंद्रू के साथ काका का अफेयर चला। इसके बाद फिर 1973 में उन्होंने अपने से 15 साल छोटी डिंपल कपाड़िया से शादी कर ली। डिंपल और राजेश खन्ना का रिश्ता बड़ा ही अनयूजुअल-सा था। बेमेल उम्र, बेमेल करियर ग्राफ, लेकिन पक्की जोड़ी। इन दोनों के बारे में कहा जाता है कि बेशक, ये दोनों अलग-अलग रहे लेकिन कभी एक-दूसरे को तलाक नहीं दिया।

ओशो परिवार की ओर से भाव दीप ध्यान केंद्र में गुरु पूर्णिमा मनाई गई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ओशो परिवार के माध्यम से देश भर में विभिन्न स्थानों पर गुरु पूर्णिमा मनाई गई। इसी तरह मुंबई के कई केंद्रों पर गुरु पूर्णिमा का आयोजन किया गया। ओशो परिवार द्वारा संचालित भाव दीप ध्यान केंद्र, एसआरवी अस्पताल, में गुरु पूर्णिमा मनाई गई। इस अवसर पर ओशो साधकों ने ध्यान, प्रवचन और नवप्रवर्तन का अनुभव किया। अंत में, प्रसाद वितरण के साथ उत्सव का समापन हुआ। इस उत्सव का सुंदर संचालन माँ बोधि अनुकम्पा ने बहुत ही सुंदर ढंग से किया।

वरिष्ठ पत्रकार आर.आर. सिंह के बेटे अमित सिंह ने लंदन में रचा सफलता का इतिहास

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार क्षेत्र के लिए एक गर्व की खबर सामने आई है। हिंदी सामना के वरिष्ठ पत्रकार एवं द प्रेस क्लब ऑफ वसई-विरार के सम्मानित सदस्य आर.आर. सिंह के परिवार में इन दिनों हर्षोल्लास का माहौल है। उनके सुपुत्र अमित राधेश्याम सिंह ने किंग्स्टन यूनिवर्सिटी, लंदन के मेडिसिन रिसर्च सेंटर से उच्च शिक्षा के प्रथम वर्ष की डिग्री प्राप्त कर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अमित की इस सफलता ने न केवल उनके माता-पिता, बल्कि पूरे नालासोपारा, वसई-विरार क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि उस कठिन परिश्रम, अनुशासन और संस्कारों का प्रतिफल है, जो उन्हें बचपन से उनके परिवार विशेषतः उनके पिता आर.आर. सिंह से मिले। सिंह स्वयं एक वरिष्ठ पत्रकार होने के साथ-साथ समाज में जागरूकता फैलाने वाले व्यक्तित्व के रूप में पहचाने जाते हैं। नालासोपारा पूर्व के तुलिंज क्षेत्र में निवास करने वाले इस परिवार के लिए यह क्षण अत्यंत गौरवपूर्ण है। अमित की यह प्रगति न केवल उनके करियर की दिशा तय करती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक प्रेरणा बनती है कि मेहनत, समर्पण और परिवार के मार्गदर्शन से कोई भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकता है। अमित की इस उपलब्धि पर उनके परिवारजनों, मित्रों, शुभचिंतकों एवं समाज के विभिन्न वर्गों ने उन्हें हार्दिक बधाइयाँ प्रेषित की हैं। सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि अमित को निरंतर सफलता प्राप्त हो और वह आने वाले समय में एक प्रतिष्ठित मेडिकल रिसर्चर के रूप में उभरकर देश और समाज की सेवा करें। यह सफलता इस बात की मिसाल है कि अगर जज्बा और उद्देश्य स्पष्ट हो, तो सीमाएं महज एक औपचारिकता रह जाती हैं।

नरेन्द्र पाण्डेय को हिंदूजा अस्पताल में सेवा करते 30 वर्ष पूर्ण होने पर लोगों ने दी बधाई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई की प्रसिद्ध हिंदूजा अस्पताल में कार्यरत नरेंद्र पांडे को 30 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। बता दें नरेंद्र पांडे सीनियर सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत हैं। वे हमेशा लोगों की सेवा में तत्पर रहते हैं। 30 वर्ष पूर्ण होने पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, समाजसेवी राकेश पाण्डेय, वडाला से के के मिश्रा, सायन कोळीवाडा से समाजसेवी भरत भाई शुक्ला, पत्रकार राजमल जैन, पत्रकार राजकुमार अग्रहरि, मुम्बई पुलिस शिव प्रकाश मिश्रा हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

एयरटेल और पर्प्लेक्सिटी की साझेदारी, 36 करोड़ ग्राहकों को मिलेगा पर्प्लेक्सिटी प्रो का सालभर फ्री एक्सेस

मुंबई। भारती एयरटेल ने पर्प्लेक्सिटी के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत वह अपने सभी 36 करोड़ ग्राहकों को पर्प्लेक्सिटी प्रो का 12 महीने का सब्सक्रिप्शन बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध कराएगा। पर्प्लेक्सिटी एक आधुनिक जनरेटिव एआई टूल है, जो पारंपरिक सर्च इंजन के मुकाबले कहीं ज्यादा तेज, सटीक और गहराई से रिसर्च किए गए जवाब, यूजर को संवाद शैली में उपलब्ध कराता है। यह केवल वेबसाइट लिंक्स दिखाने की बजाय ऐसा उत्तर देता है, जिसे सीधे पढ़ा और समझा जा सके और जिसे यूजर अपनी जरूरत के अनुसार एआई से संवाद कर और बेहतर बना सकता है।

पर्प्लेक्सिटी की एक फ्री सेवा भी मौजूद है, जिसमें बेसिक सर्च फीचर्स मिलते हैं। लेकिन पर्प्लेक्सिटी प्रो वर्जन खासतौर पर प्रोफेशनल्स और हेवी यूजर्स के लिए बनाया गया है। इसमें रोजाना अधिक प्रो सर्च की सुविधा, एडवांस एआई मॉडल्स (जैसे जीपीटी-4.1, क्लॉड आदि) का एक्सेस, मॉडल चयन की सुविधा, डीप रिसर्च, इमेज जनरेशन, फाइल अपलोड व एनालिसिस, और पर्प्लेक्सिटी पर्प्लेक्सिटी लैब्स जैसे इनोवेटिव टूल्स मिलते हैं, जो किसी भी विचार को वास्तविकता में बदलने में मदद करते हैं। इस सब्सक्रिप्शन की वैश्विक कीमत ₹17,000 सालाना है।

अब यह ₹17,000 की पर्प्लेक्सिटी प्रो सेवा एयरटेल के सभी मोबाइल, वाई-फाई और डीटीएच ग्राहकों को एक साल के लिए मुफ्त में दी जा रही है। भारत में किसी टेलीकॉम कंपनी और जनरेटिव एआई के बीच यह अपनी तरह की पहली साझेदारी है। ग्राहक एयरटेल थैंक्स एप के जरिए इस ऑफर का लाभ उठा सकते हैं।

साझेदारी पर बोलते हुए भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गोपाल विट्ठल ने कहा, हम पर्प्लेक्सिटी के साथ इस गेम-चेंजर साझेदारी की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं। यह सहयोग करोड़ों यूजर्स को एक शक्तिशाली और रियल टाइम नॉलेज टूल उनके हाथों में मुफ्त उपलब्ध कराएगा। भारत में अपनी तरह की यह पहली जनरेटिव एआई साझेदारी, ग्राहकों को डिजिटल दुनिया के बदलते ट्रेंड्स के साथ आत्मविश्वास और सहजता से आगे बढ़ने में मदद करेगी।

65 अवैध इमारतों का मुद्दा उद्योग मंत्री उदय सामंत के कार्यालत पहुंचा

विधायक राजेश मोरे और जिला प्रमुख दिपेश म्हात्रे रहे मौजूद

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली महापालिका क्षेत्र की 65 अवैध इमारतों का मुद्दा पिछले कुछ महीनों से लगातार चर्चा में है। इन इमारतों में रहने वाले लोगों को हाल ही में इमारत खाली करने का नोटिस दिया गया था। जिसके चलते बारिश के इस मौसम में इन रहिवासियों पर बेघर होने की तलवार लटक रही थी। इसी बीच इन रहिवासियों ने इस कार्रवाई को टालने के लिए अलग-अलग तरीकों से संघर्ष शुरू किया। उनके इस संघर्ष को आखिरकार सफलता मिली है।

इन इमारतों में रहने वाले रहिवासियों के आंदोलन को राज्य सरकार ने संज्ञान में लिया है। इन

इमारतों के लिए अलग से जीआर (सरकारी निर्णय) निकालने का आश्वासन उद्योग मंत्री उदय सामंत ने दिया है। साथ ही कन्वेन्स डीड के नाम पर पैसे मांगने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करने के आदेश भी सामंत ने सरकारी यंत्रणाओं को दिए हैं। यह जानकारी शिवसेना ठाकरे गुट के जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने दी। बतादें कि मंगलवार 15 जुलाई को मुंबई के आजाद मैदान में इन रहिवासियों ने धरना आंदोलन किया था। इसके बाद उद्योग मंत्री उदय सामंत के कार्यालय में इस मुद्दे पर बैठक हुई। इस दौरान नगर विकास विभाग के मुख्य सचिव असीम गुप्ता, शिवसेना ठाकरे गुट के जिलाध्यक्ष दीपेश म्हात्रे, कल्याण-डोंबिवली महापालिका के आयुक्त अभिनव गोयल, कल्याण ग्रामीण के विधायक राजेश मोरे और 65 इमारतों के रहिवासियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुंबई के चर्चगेट स्टेशन पर फूड स्टॉल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

मुंबई। मुंबई में पश्चिमी रेलवे (डब्ल्यूआर) के व्यस्त चर्चगेट उपनगरीय स्टेशन पर बृहस्पतिवार की सुबह एक फूड स्टॉल में आग लग गई। दो महीने से भी कम समय में इस परिसर में यह दूसरी ऐसी घटना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पश्चिम रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारी संघ के नेताओं ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि आग सुबह करीब 8.10 बजे लगी थी, जो संभवतः स्टॉल के अंदर शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी।

अधिकारियों ने बताया कि रेलवे के एक कर्मचारी की समय पर की गई कार्रवाई से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, जिससे बड़ी त्रासदी टल गई। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित स्टॉल में दूध, आइसक्रीम और अन्य दुग्ध उत्पाद की बिक्री होती थी, जो व्यस्त रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 के सामने स्थित है।

रेलवे कर्मचारी संगठन के एक नेता ने कहा कि आग एक बड़ी त्रासदी में बदल सकती थी, लेकिन नजदीक ही मौजूद चर्चगेट क्रू लॉबी के ट्रेन मैनेजर एमएस जोशी की समय पर की गई कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।उन्होंने बताया कि स्टॉल से धुआं और आग की लपटे निकलती देख जोशी तुरंत हरकत में आए और सूझबूझ का परिचय देते हुए आग बुझाने के लिए अग्निशमन यंत्र का इस्तेमाल किया। दक्षिण मुंबई के इस स्टेशन परिसर में किसी स्टॉल में आग लगने की यह दो महीने से भी कम समय में दूसरी घटना है।

कैंसर और थैलेसीमिया पीड़ितों की सहायता के लिए गजल महोत्सव का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रसिद्ध गजल गायक अनुप जलोटा, रेखा भारद्वाज, महालक्ष्मी अय्यर, उस्मान मीर, आमिर मीर और सुदीप बैनर्जी खजाना फेस्टिवल ऑफ गजल्स के लिए आयोजित रिहर्सल के लिए अंधेरी में एकत्रित हुए। यह कार्यक्रम कैंसर और थैलेसीमिया पीड़ितों की सहायता हेतु आयोजित किया गया है। बहुप्रतीक्षित यह गजल महोत्सव 18 और 19 जुलाई 2025 को ट्राइडेंट होटल, नरिमन पॉइंट, मुंबई में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष की विशेष प्रस्तुतियों में मोहम्मद रफी की जन्मशताब्दी पर विशेष श्रद्धांजलि और उस्ताद जाकिर हुसैन को आदरांजली शामिल हैं। साथ ही, इस मंच पर तलत अजीज, पं. अजय पोहणकर, अभिजीत पोहणकर, बांसुरी वादक राकेश चौरसिया और प्रतिभा सिंह बघेल जैसे कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

सनातन धर्म की व्याख्या करने वाले कर्म को समझकर भीतर से समृद्ध बनेः शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई बोरीवली में चतुर्मास्य प्रवचन के अवसर पर महाराज स्वामी जी ने कहा कि कर्म का सिद्धान्त एक ऐसा सिद्धान्त है जो सनातन धर्म की सर्वाङ्गीण व्याख्या करता है। लेकिन इस कर्म सिद्धान्त के सम्बन्ध में लोगों को ठीक से जानकारी नहीं है। इसीलिए किसी-किसी के मन में निराशा, हताशा और दूसरे विपरीत विचार आते रहते हैं। सिद्धान्त क्या है? सिद्धान्त यह है कि जैसा करोगे वैसा मिलेगा। यही सिद्धान्त है जैसी करनी वैसी भरनी।उक्त उद्गार परमाराध्य परमधमार्धीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानन्दः सरस्वती १००८ ने मुम्बई में चातुर्मास्य प्रवचन के अवसर पर कही।उन्होंने कहा कि प्रारब्ध, संचित

और क्रियमाण : तीन तरह के कर्म होते हैं। सामान्य रूप से कर्मफल का नियम यही है कि वह करते समय नहीं मिलता है। कर्म सिद्धान्त की यही विशेषता है। इसलिए इसी के परिप्रेक्ष्य में यह समझने की आवश्यकता है कि हमको क्या मिला है और आगे क्या मिलने वाला है। आगे कहा कि आप सोचते हैं कि हम कर्म करते हैं लेकिन फल मिलता हुआ दिखाई नहीं देता। जो मिल रहा है उससे अनुमान होता है कि हम क्या करके आए हैं। दूसरा भोगने के लिए दूसरा और तीसरा भोगने के लिए तीसरा मिलेगा। काल अनन्त है। अनन्त काल में जब आप देखेंगे तो आपका यह सौ साल बहुत छोटा दिखाई देगा। यह बीत जाता है। पूर्व में किए का फल अब हमको मिला है। यह बात ठीक से लोग नहीं समझते। वह सोचते हैं कि इस समय हम इतने जप कर रहे हैं, इतना पूजा-पाठ कर रहे हैं, इतने मन्दिर जा रहे हैं। जाने क्या-क्या कर रहे हैं लेकिन फल मिल ही नहीं रहा है।

अरे! अभी कैसे मिलेगा? पहले वाला पहले मिला है। उसको पहले भोग लो और अभी वाला आगे मिलने वाला हैं। यह बात अगर ठीक से समझ में आए तो समस्या नहीं आएगी। शंकराचार्य जी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने कहा कि कार्यक्रम का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चारण से हुआ। पादुका पूजन शिवाजी नौ टके, दीपेश माली सपरिवार, गोपाल शास्त्री, राजकोट, जयेश, हरदीप शास्त्री, गोपाल सूरत गुजरात ने किया।

जलसंकट से जूझ रही कल्याण पूर्व की जनता

पालिका अधिकारियों पर भड़के - मनोज राय

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-पूर्व के कैलास नगर, खडेगोलवली आदि परिसर के नागरिक बीते तीन दिनों से भीषण जलसंकट से जूझ रहे हैं। जलसंकट को लेकर स्थानीय महिला नागरिकों ने भाजपा के पूर्व नगरसेवक मनोज राय के नेतृत्व में कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के ड प्रभाग कार्यालय पहुंचकर जलापूर्ति विभाग के उपअभियंता से मुलाकात की।

इस दौरान मनोज राय ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर जलसंकट दूर नहीं किया गया तो मनपा कार्यालय पर ताला लगा देंगे।

अधिकारी से मुलाकात के उपरांत पूर्व नगरसेवक मनोज राय ने कहा कि 4 प्रभागों में करीब 70 हजार नागरिक रहते हैं। बीते तीन

दिनों से लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। वहीं 15 दिनों से नियमित रूप से पानी की आपूर्ति होने से आम जनता परेशान है। राय ने कहा कि कल्याण पश्चिम में नियमित पानी की आपूर्ति हो रही है, लेकिन पूर्व की जनता बूंद-बूंद पानी को तरस रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनपा प्रशासन हमारे साथ सौतेला बर्ताव कर रही है। राय ने तीखे शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आने वाली 25 जुलाई तक पानी की समस्या को हल नहीं किया गया, तो लोगों को लेकर उग्र आंदोलन कर मनपा कार्यालय को ताला लगा देंगे। इस अवसर पर समाजसेवक राजू अंकुश और सत्यप्रकाश उपाध्याय सहित भाजपा से अनेकों महिला कार्यकर्ता और परिसर की तमाम आम जनता मौजूद थे।

उत्तर क्षेत्रीय संस्था प्रमुख अरविंद सिंह क्षत्रिय का गृह प्रवेश कार्यक्रम सम्पन्न

पालघर विधायक सहित गणमान्य अतिथियों ने दी शुभकामनाएं

मुंबई(उत्तरशक्ति)। कांग्रेस पार्टी के पालघर जिला उपाध्यक्ष व उत्तर क्षेत्रीय संस्था प्रमुख अरविंद सिंह क्षत्रिय के नए घर के गृह प्रवेश कार्यक्रम का भव्य आयोजन मालाड (पूर्व) के सुंदर नगर स्थित ट्रायंफट स्वास्तिक बिल्डिंग के अ विंग, फ्लैट क्रमांक 602 व 603 में शनिवार को विधिपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस पावन अवसर पर विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश स्थापना, गणपति पूजन, नवग्रह पूजन और महामृत्युंजय हवन का आयोजन किया गया। पवित्र अग्नि के समक्ष हवनकुंड में आहुति देकर संपत्ति और परिवार के मंगल, सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की गई। व्यास मंडल से पधारे विद्वान ब्राह्मणों के नेतृत्व में शांति पाठ और दुर्गा सप्तशती के पाठ से सम्पूर्ण वातावरण में एक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। घर के प्रत्येक कोने में गंगाजल का छिड़काव कर पवित्रता स्थापित की गई। पूरे वातावरण में आध्यात्मिकता, खुशी

और पारिवारिक स्नेह का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूजा-पाठ, मंत्रोच्चारण और अतिथियों के स्वागत में पारंपरिक रीति-रिवाजों का विशेष ध्यान रखा गया।गृहप्रवेश समारोह के उपरांत उपस्थित सभी अतिथियों को भव्य भोजन प्रसाद भी प्रेमपूर्वक प्रदान किया गया, जिसमें पारंपरिक व्यंजन और मिठाइयों का भरपूर आनंद लिया गया। इस शुभ अवसर पर पालघर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेंद्र गावित अपने परिवार सहित विशेष रूप से उपस्थित रहे और सिंह परिवार को गृह प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाएं व आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र के कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें हनुमान सिंह, लालजी गुप्ता (लाला), रामनरेश यादव, मनीष, सिकंदर शेख समेत कई वरिष्ठजनों और शुभचिंतकों ने शामिल होकर सिंह परिवार को बधाई दी।

सोशल मीडिया पत्रकार परशुराम पाल द्वारा 50 पत्रकारों को किया गया रेनकोट वितरण

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर में पत्रकारिता के साथ समाजसेवक के रुप में अपनी पहचान बनाने वाले परशुराम पाल द्वारा पत्रकारों को रैनकोट वितरण किया गया । बतादें कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बंजारपट्टी नाका स्थित श्रीदेवी ज्वेलर्स के सामने वरिष्ठ समाजसेवक तूफेल फारूकी के कार्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि के रूप में तूफैल फारूकी तथा पत्रकार जितेंद्र तिवारी व पत्रकार अब्दुल गनी खान का परशुराम पाल द्वारा पुष्पगुच्छ व साल से स्वागत सत्कार किया वहीं लोगों ने सामूहिक रुप से परशुराम का शाल पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया । तत्पश्चात तूफेल फारूकी जितेंद्र तिवारी और गनी खान के हाथों सभी आए हुए लगभग 50 पत्रकारों को रैनकोट वितरण किया गया । इस कार्यक्रम को लेकर आए हुए मेहमानों ने परशुराम पाल को धन्यवाद और शुभकामनाएं दिये । वहीं परशुराम पाल ने सभी पत्रकारों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह हमारे पूजा टीवी 24 परिवार की तरफ से सभी पत्रकारों के लिए एक छोटी सी भेंट है ।

न्यूगो ने भारत के हरित गतिशीलता आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए अपने कोच कैप्टन को कौशल और प्रौद्योगिकी से लैस किया

मुंबई। जैसे-जैसे दुनिया इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर बढ़ रही है, इस बदलाव की सफलता सिर्फ.तकनीक पर ही नहीं, बल्कि इसे चलाने वाले लोगों पर भी निर्भर करती है। ग्रीनसेल मोबिलिटी का इंटरसिटी इलेक्ट्रिक बस ब्रांड न्यूगो, अपने ईवी-केंद्रित ड्राइवर प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ इस चुनौती का डटकर सामना कर रहा है, जिसे इसके कोच-कैप्टन को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की अनूठी माँगों को पूरा करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता से लैस करने के लिए डिजाइन किया गया है। भारत की सबसे बड़ी प्रीमियम इंटरसिटी इलेक्ट्रिक बस सेवा के रूप में, न्यूगो स्थिरता, सुरक्षा और ग्राहक अनुभव पर जोर देती है।

न्यूगो ने एक मजबूत, भविष्य-तैयार प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है जो सुरक्षा, यात्रियों के आराम और पेशेवर विकास को प्राथमिकता देता है। इलेक्ट्रिक बसों की बारीकियों को ध्यान में रखते हुए, यह कार्यक्रम तेजी से मोबिलिटी क्षेत्र में एक मानक के रूप में उभर रहा है। अब तक, 3,000 से ज्यादा कोच कैप्टन और 400 कोच होस्ट इस गहन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं—जो प्रतिभाओं को निखारने और यात्रा के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए न्यूगो की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस पहल का मूल उद्देश्य सभी नए कोच कैप्टन (चालक) और कोच होस्ट (ऑनबोर्ड स्टाफ) के लिए एक व्यापक एक-सप्ताह का ऑनबोर्डिंग पाठ्यक्रम है। इस कार्यक्रम में कक्षा निर्देश, सिम्युलेटर-आधारित शिक्षण और वास्तविक मार्ग पर ड्राइविंग अभ्यास शामिल है—यह सुनिश्चित करते हुए कि भर्ती होने वाले लोग पहले दिन से ही सड़क पर चलने के लिए तैयार और ग्राहक-केंद्रित हों।

न्यूगो के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में 11 विशेष मॉड्यूल शामिल हैं, जिनमें 8 रक्षात्मक ड्राइविंग तकनीकें (डीडीटी) और 3 ग्राहक अनुभव एवं वाहन परिचय मॉड्यूल शामिल हैं। पुनयोर्जी ब्रेकिंग और बैटरी-कुशल ड्राइविंग तकनीकों में महारत हासिल करने से लेकर चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटोकॉल को समझने तक, यह प्रशिक्षण सुनिश्चित करता है कि कोच कैप्टन टिकाऊ परिवहन की भाषा में पारंगत हों। तकनीकी जानकारी के अलावा, यह कार्यक्रम उच्च-वोल्टेज प्रणालियों के लिए सुरक्षा मानकों और ग्राहक जुड़ाव पर जोर देता है, जिससे कोच कैप्टन ईवी आंदोलन के दूत बन जाते हैं। दिल्ली, इंदौर, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई स्थित हर न्यूगो डिपो में तैनात आंतरिक विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह एक बार की प्रक्रिया नहीं है। हर तीन महीने में रिफ्रेशर प्रशिक्षण अनिवार्य है, जिसमें ब्लाइंड स्पॉट जागरूकता, एल-आकार की रिवर्सिंग और पैरेलल पार्किंग का व्यावहारिक मूल्यांकन शामिल है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जौनपुर में ट्रेलर और ट्रैक्टर की टक्कर में चालक की मौत, दो सवार घायल

ईंट उतारकर अंबेडकरनगर लौट रहे थे तीनों, ट्रैक्टर के हुए दो टुकड़े

मोहम्मद आसिफ सिद्दीकी

गुरैनी, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के खेतासराय थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरैनी पेट्रोल पंप के पास बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रेलर ने सामने से आ रहे ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों घायल व मृतक अंबेडकर नगर जिले के निवासी हैं।पुलिस के अनुसार हादसा बुधवार रात करीब 9:30 बजे हुआ, जब ट्रैक्टर सवार तीनों व्यक्ति जौनपुर पुलिस लाइन में ईंट उतारकर अपने जिले अंबेडकर नगर लौट रहे थे।

इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रेलर (वढ 62 उळ 4139) ने जोरदार टक्कर मार दी। ट्रेलर मृतक की पहचान महेंद्र (28) के रूप में हुई ,हादसे में ट्रैक्टर चला रहे महेंद्र पुत्र नोहरलाल (28), निवासी अमीनपुरवा, थाना इब्राहिमपुर अंबेडकर नगर की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के अनुसार मृतक की दो वर्षीय एक बेटी है और घटना के बाद पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। घायल अवस्था में दो बुजुर्ग जिला अस्पताल में भर्ती हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए दो अन्य लोगों की पहचान चिरजो पुत्र मगरु (74), निवासी दराफपुर राजकुमार पुत्र रामदुलार, निवासी भरौली, थाना जलालपुर अकबरपुर के रूप में हुई है। दोनों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया गया। जहां उनका इलाज जारी है। हादसे के बाद सड़क पर लगा लंबा जाम टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर दो हिस्सों में बंट गया।उसका मलबा सड़क पर फैलने से यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलने पर खेतासराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैफिक सामान्य कराया। पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव, मुकदमे के लिए तहरीर दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी भिजवा दिया है। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने बताया कि मृतक की पहचान हो चुकी है। परिजनों द्वारा तहरीर दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला रात के अंधेरे में दृश्य न दिखने से हादसा होना प्रतीत हो रहा है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के विंध्यवासिनी कॉलोनी, हुसेनाबाद में बुधवार की शाम एक हंसता-खेलता परिवार मातम में बदल गया, जब रिटायर्ड कानूनगो सुबास श्रीवास्तव के इकलौते बेटे राहुल श्रीवास्तव (32) ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां-बाप बेसुध हो गए, पत्नी की चीखें सुनकर मोहल्ले में मातमी सन्नाटा पसर गया। पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।मोहल्लेवासियों के अनुसार, राहुल की शादी पिछले साल 12 जुलाई को हुई थी और महज दो माह पूर्व ही वह पिता बना था। एक भाई और एक बहन के बीच राहुल घर का इकलौता बेटा था परिवार की सारी उम्मीदें, सपने और सहारा उसी से जुड़ा था। आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। लेकिन जिस मासूम बेटे ने अभी ठीक से पिता कह कर पुकारना भी नहीं सीखा, उसके सिर से बाप का साया उठ जाना पूरे समाज को झकझोर देने वाला है।पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। घटना ने न सिर्फ परिवार, बल्कि पूरे इलाके को गहरे शोक में डुबो दिया है।

छात्रा का खींचा दुपट्टा, अब बड़ी कार्यवाही की तैयारी में पुलिस

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के एक गांव में दसवीं कक्षा की एक छात्रा से छेड़खानी के आरोप में पुलिस ने आज एक मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता के मुताबिक स्कूल से घर लौटते समय गांव के ही एक युवक ने सुनसान जगह पर उसका दुपट्टा खींचकर छेड़खानी की। छात्रा के शोर मचाने पर आरोपी गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता एक इंटर कॉलेज में दसवीं की छात्रा है। रोज की तरह 9 जुलाई को वह स्कूल से घर लौट रही थी। इसी समय सरकारी ट्यूबवेल के पास पहले से मौजूद सूरज नामक युवक ने उसे अकेला देखकर छेड़खानी की। आरोप है कि युवक पहले भी उसे अकेले देखकर फब्तियां कसता था। इस बार उसने उसका दुपट्टा खींचा और जबरदस्ती करने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता के साथ मारपीट की। छात्रा के चिल्लाने पर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े। यह देख युवक भाग गया। घटना से डरी-सहमी छात्रा ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती बताई। परिजनों ने थाने में तहरीर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

करंट लगने से प्राइवेट लाइनमैन की मौत, सड़क जाम

सुशील गुप्ता, सरायख्वाजा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कोठवार गिरधरपुर गांव में मंगलवार की देर रात करंट की चपेट मे आने से एक युवक की मौत हो गई । इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना तब हुई जब युवक रात के अंधेरे में निजी स्तर पर बिजली व्यवस्था को ठीक कर रहा था। घटना से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने सिद्दीकपुर चौराहे के समीप इकठ्ठा होकर बुधवार को दिन में करीब आधे घंटे के लिए सड़क जाम किया। कोठवार घनघनुवा गांव निवासी दयाराम का पुत्र 28 वर्षीय गुलशन निजी तौर पर बिजली से जुड़ा काम करता था। मंगलवार की रात दस बजे वह घर के पास के गांव गिरधरपुर गया था जहां वह जंफर जोड़ने का कार्य कर रहा था। ग्रामीणों ने बताया कि गुलशन जंफर जोड़ते समय अचानक हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गया। जिससे उसका एक हाथ बुरी तरह झुलस गया और वह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा। आसपास के लोग जब तक मौके पर पहुंचे। तब तक उसकी हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी। आनन-फानन में उसे पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, बुधवार की सुबह हादसे की सूचना मिलते ही सरायख्वाजा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी। थाना प्रभारी विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में पाया गया है कि युवक को करंट लगा जिससे वह बुरी तरह झुलस गया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने लगाया चौकी इंचार्ज पर पक्षपात का आरोप, पीड़िता ने मांगी जानमाल की सुरक्षा

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना लाइन बाजार क्षेत्र के शीतला चौकिया रोड स्थित लखनपुर गांव की निवासिनी दीपा जायसवाल ने अपने ऊपर हुए हमले को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने चौकी इंचार्ज पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने और आरोपियों से मिलीभगत का आरोप लगाया है।

दीपा जायसवाल का कहना है कि 11 जुलाई 2025 को पारिवारिक भूमि विवाद को लेकर उनके देवर,जेठ, ससुर सहित कुल 6-7 लोगों ने उन पर हमला किया। इस हमले में उन्हें गंभीर आंतरिक चोटें आईं, और उन्होंने दावा किया कि गर्दन में भी चोट के चलते क्रैक आ गया है। पीड़िता का आरोप है कि लखनपुर चौकी प्रभारी ने प्रारंभ से ही मामले को गंभीरता से नहीं लिया और आरोपियों से मिलीभगत के चलते निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने बताया कि कई बार उच्चाधिकारियों को शिकायत करने के बाद तीन आरोपियों खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 352, 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज हुआ। जबकि पीड़िता के अनुसार उन्होंने पाँच नामजद आरोपियों और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन दो नाम जानबूझकर हटाए गए।दीपा जायसवाल ने यह भी कहा कि घटना का वीडियो साक्ष्य उनके पास मौजूद है, जिसमें 6-7 लोगों द्वारा मारपीट, गाली-गलौज और धक्का-मुक्की करते हुए साफ देखा जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वह घटना के दिन ही क्षेत्राधिकारी नगर से मिलकर जानमाल की सुरक्षा हेतु प्रार्थना पत्र देकर लौटीं, तभी आरोपियों ने दोबारा उन्हें धमकाते हुए कहा कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती।पीड़िता ने आशंका जताई कि आरोपी खुलेआम घूम दे रहे हैं और पुलिस की निष्क्रियता के चलते अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियाँ दी जा रही हैं।दीपा जायसवाल ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए विवेचना लखनपुर चौकी से हटाकर किसी अन्य थाने या अधिकारी को सौंपी जाए, जिससे उन्हें न्याय और सुरक्षा मिल सके।

लायंस क्लब जौनपुर गोमती ने आयोजित किया पारिवारिक पिकनिक एवं श्रावणी भोज

गौराबादशाहपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर गोमती द्वारा नगर के प्रतिष्ठित मैरिज लान में पारिवारिक पिकनिक एवं सहचर्य/श्रावणी भोज का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था के सभी सदस्यों ने अपने परिवार एवं बच्चों के साथ उत्साह पूर्वक सहभागिता की। पिकनिक में गौरव श्रीवास्तव के निर्देशन में महिलाओं एवं बच्चों के लिए मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धक खेलकूद का भी आयोजन किया गया और प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। पिकनिक में लोगों ने लोक विधा के गायन कजरी/ गीत संगीत का भी लुफ्त उठाया। अध्यक्ष डा.राजेश मौर्या ने बताया कि स्वस्थ समाज के लिए समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन आवश्यक है। इससे लोगों में सहचर्य की भावना बढ़ती है। सचिव खुशबू गुप्ता एवं क्लब की प्रथम महिला डा रश्मि मौर्या द्वारा लोगों का स्नेहिल स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में चीफ डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर मनीष गुप्ता ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए इस आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दी। रीजन चेयरपर्सन प्रतिमा गुप्ता व जोन चेयरपर्सन जोन धर्मेंद्र गुप्ता ने भी कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। चार्टर प्रेसिडेंट डा.जी.सी. सिंह, चार्टर सदस्य संजीव गुप्ता,अनिल पांडे, पूर्व अध्यक्ष देवेश गुप्ता, संतोष साहू आदि लोगों ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम में डा.सुलोचना सिंह, सुधा मौर्या, धीरज गुप्ता, ऋषि देव साहू, संजय महेश्वरी, माया गुप्ता, सोनिया जायसवाल, शशि जायसवाल, सुनील कश्यप, सुधीर साहू, गणेश गुप्ता, ऋषि देव साहू, अनिल अग्रहरि, जागेश्वर केसरवानी, अरविंद बैंकर, धनंजय पाठक, डॉ.नरेंद्र यादव, डॉ.सरला गुप्ता, शिवकुमार साहू, त्रिलोकी मौर्या, डॉ.पूजा यादव, राजेश साहू, सुनील साहू, संजय साहू, चंदन गुप्ता, राजेश सिंह, कामना सिंह आदि सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष नूपुर सिंह द्वारा किया गया। धन्यवाद व आभार कार्यक्रम संयोजक दिनेश जायसवाल एवं मनोज जायसवाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कर्नल विनोद ने किया वाराणसी प्रधान डाकघर विरासत भवन के शिलापट्ट का अनावरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डाक विभाग के अंतर्गत स्थापित विरासत भवन के शिलापट्ट का अनावरण कर्नल विनोद कुमार, पोस्टमास्टर

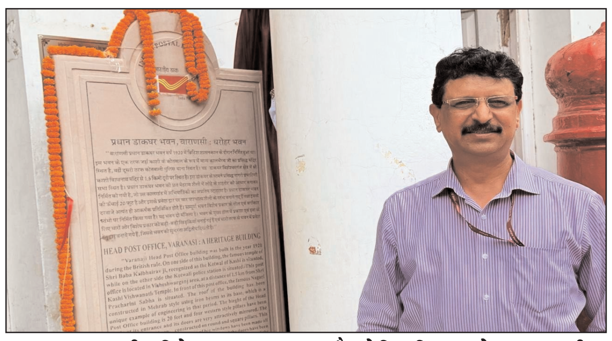

जनरल वाराणसी परिक्षेत्र द्वारा आज 16.07.2025 को विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारीगण, प्रवर अधीक्षक डाकघर वाराणसी पूर्व मण्डल राजीव कुमार, सहायक निदेशक परमानंद कुमार वाराणसी परिक्षेत्र, प्रवर डाकपाल राजीव श्रीवास्तव, वाराणसी प्रधान डाकघर एवं विभागीय कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में समारोह का आयोजन हुआ। पोस्टमास्टर जनरल, वाराणसी परिक्षेत्र ने अपने संबोधन में कहा कि ह्विरासत भवन डाक विभाग की गौरवशाली परंपरा और ऐतिहासिक धरोहर का प्रतीक है। यह ब्रिटिशकालीन भवन सन 1920 में अस्तित्व में आया और तब से यह डाक विभाग की सेवा, संस्कृति और योगदान को जनमानस तक पहुँचाने का एक महत्त्वपूर्ण प्रयास का माध्यम रहा है। पोस्टमास्टर जनरल महोदय द्वारा शिलापट्ट के अनावरण के साथ ही भवन के महत्व, डिजाइन, उपयोगिता एवं इसके संरक्षण के प्रयासों को साझा किया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियो को भवन की देखभाल एवं भविष्य में इस धरोहर को और सशक्त बनाने हेतु प्रेरित किया। साथ ही बताया गया कि इस वर्ष भी डाक विभाग राखी को पूरे देश भर मे भेजने हेतु वाराणसी एवं उनके नजदीके जिलो के समस्त डाकघरो मे सहज रूप राखी के लिफाफे उपलब्ध कराये गए है। जिसका लाभ जनमानस द्वारा सुगमतापूर्व प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर इस रक्षाबंधन को देशभक्ति और भाईचारे का अनूठा संगम देश की वीर सैनिकों गणमान्य व्यक्तियों एवं भाइयो के लिए उनके बहनों की तरफ से राखी का प्यार भरा सौगात डाक विभाग के माध्यम से पहुचाने हेतु एवं साथ ही उनके द्वारा राखी लिफाफा के बारे मे जनता को जागरूक करने का संकल्प लिया गया। यह आयोजन न केवल विरासत भवन के उद्घाटन का प्रतीक रहा,बल्कि विभागीय इतिहास को सहेजने की दिशा में एक सराहनीय पहल के रूप में यादगार बन गया।

महिला सांसद इकरा हसन के साथ एडीएम सहारनपुर ने किया असंवैधानिक एवं अपमानजनक व्यवहार

पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने की कानूनी व प्रशासनिक कार्यवाही की मांग

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। महिला सांसद श्रीमती इकरा हसन के साथ एडीएम सहारनपुर के द्वारा किए गए असंवैधानिक एवं अपमानजनक व्यवहार पर त्वरित कानूनी व प्रशासनिक कार्यवाही हो,दिनांक 16 जुलाई 2025 को एक सरकारी बैठक के दौरान एडीएम द्वारा लोकसभा की महिला सांसद इकरा हसन को गेट आउट जैसे अपमानजनक शब्द कहना न केवल अमर्यादित व्यवहार है।बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र, संविधान व महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है। उक्त घटना निम्नलिखित बिंदुओं में गंभीर चिंता का विषय है।सांसद के विशेषाधिकारों का उल्लंघन, एडीएम द्वारा सांसद को गेट आउट कहना भारतीय संसद के सदस्य के विशेषाधिकारों का उल्लंघन है। यह संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। संसदीय विशेषाधिकार समिति को तत्काल संज्ञान लेकर कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए। राज्य सरकार द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही, एडीएम राज्य सरकार के अधीन कार्यरत अधिकारी है। एक जनप्रतिनिधि के साथ इस प्रकार का व्यवहार घोर अनुशासनहीनता व प्रशासनिक दुर्व्यवहार है। कृपया संबंधित एडीएम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर अनुशासनात्मक जांच की जाए। महिला सुरक्षा व सम्मान का उल्लंघन, एडीएम का यह रवैया मानसिक उत्पीड़न एवं महिला सम्मान के विरुद्ध है। यदि यह कृत्य आईपीसी की धारा 354ए (महिला के साथ अनुचित व्यवहार) के अंतर्गत आता है, तो ए डी एम पर एफआईआर दर्ज कर महिला आयोग को भी सूचित किया जाए। लोकतंत्र की मयार्दा का हनन,एक चुनी हुई महिला सांसद को इस प्रकार अपमानित करना। हमारे लोकतंत्र के सिद्धांतों, उत्तरदायित्व व पारदर्शिता के मूल्यों को कमजोर करता है। यह प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। हमारी माँगें संसद में विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही प्रारंभ की जाए। ए डी एम पर राज्य सरकार द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही कर उन्हें तत्काल निलंबित किया जाए। महिला आयोग/थाना में एफआईआर दर्ज कर एडीएम पर वैधानिक कार्यवाही की जाए। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु प्रशासनिक व्यवस्था को सशक्त किया जाए।मीडिया एवं सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह है कि इस मुद्दे को व्यापक स्तर पर उठाएं। एडीएम द्वारा किए गए व्यवहार की लोकसभा में निंदा प्रस्ताव पारित किया जाए। उक्त बातें मोहम्मद अरशद खान पूर्व विधायक जौनपुर एवं राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी, नेशनल प्रेसिडेंट-नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड जस्टिस मूवमेंट ने कही।

विवेकानंद पुस्तकालय में 21 प्रशिक्षुओं ने किया कार्यभार ग्रहण

प्रशिक्षण पूरा करने वाले को दी गई समारोह में विदाई

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में प्रशिक्षुओं का नया प्रभात उत्साह, अनुभव और उम्मीदों की रोशनी लेकर आया। विश्वविद्यालय एवं नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग बोर्ड, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में चयनित 21

नवप्रवेशी प्रशिक्षुओं ने कार्यभार ग्रहण किया, वहीं पूर्व प्रशिक्षुओं ने सफलता पूर्वक एक वर्षीय प्रशिक्षण पूर्ण कर प्रमाणपत्र प्राप्त किए। पूर्व प्रशिक्षुओं ने साझा किया कि जब वे यहां आए थे, तो उनके पास केवल पुस्तकीय ज्ञान था, लेकिन यहां से विदा होते समय वे पुस्तकालय संचालन के हर पहलू में दक्ष हो चुके हैं। टाइम मैनेजमेंट, बुक्स की एक्सिसनिंग, प्रोसेसिंग, सकुर्लेशन, और रडवछ सॉफ्टवेयर जैसे तकनीकी अनुभवों ने उनके व्यक्तित्व को निखार दिया। इस शुभ प्रभात का श्रेय कुलपति प्रो. वंदना सिंह के प्रेरणादायी मार्गदर्शन और कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह के सहयोग को जाता है, जिनके प्रयासों से पुस्तकालय ऑटोमेशन की दिशा में सार्थक कदम बढ़ा है।

कार्यक्रम में प्रो. राजकुमार ने नियुक्तिपत्र एवं प्रमाणपत्र वितरित करते हुए सभी प्रशिक्षुओं को आशीर्वाद दिया। प्रभारी डॉ. इंद्रेश कुमार गंगवार ने जहां नवप्रवेशियों का स्वागत किया, वहीं पूर्व प्रशिक्षुओं को भावपूर्ण विदाई दी। यह कार्यक्रम सिर्फ एक प्रशिक्षण की समाप्ति नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुशासन और तकनीकी दक्षता के प्रभात की शुरूआत है। यह एक ऐसी रोशनी जो प्रशिक्षुओं के भविष्य को आलोकित करेगी। विदाई समारोह में अवधेश प्रसाद, मसूदुल हसन खान, शशांक, विकास, नीरज, जयचंद, दीपिका, उपासना, वरूणा, खुशी, पूनम, प्रिया सिंह यादव आदि अन्य लोगों उपस्थित थे।

शिक्षकों ने डीआईओएस कार्यालय पर 12 सूत्रीय मांगों को लेकर दिया धरना

विभागीय कर्मचारियों पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। माध्यमिक शिक्षक संघ जिला इकाई के तत्वाधान में गुरुवार को 12 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। प्रांतीय मंत्री चौधरी दिनेश चंद्र राय ने बताया कि अधिकारियों की नाक के नीचे विभाग में मनमाने ढंग से सुविधा शुल्क की डिमांड की जा रही है। न कोई देखने वाला है और न बोलने वाला। डीआईओएस कार्यालय व लेखा विभाग की निरंकुशता के चलते शिक्षक व कर्मचारियों की समस्याओं का समय से निस्तारण नहीं हो पा रहा है। यहां के लिपिकों द्वारा खुलेआम सुविधा शुल्क की मांग की जा रही है। इससे शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है। भ्रष्टाचार पर नियंत्रण न होने पर शिक्षक आंदोलन करने को विवश होंगे।उन्होंने कहा कि संगठन इन समस्याओं के निराकरण के लिए काफी समय से संघर्षरत है। अगर इनका शीघ्र निदान नहीं किया गया तो शिक्षक कार्य को प्रभावित व ठप करने को मजबूर होंगे। इसकी पूर्ण जिम्मेदारी माध्यमिक शिक्षा विभाग की होगी। प्रांतीय मंत्री चौधरी दिनेश चंद्र राय ने कहा कि डीआईओएस कार्यालय के वित्त एवं लेखाधिकारी अनुभाग में भ्रष्टाचार अपने चरमोत्कर्ष पर है। जिसका जीता जागता उदाहरण 148 शिक्षकों के अवशेष देयक का धन शासन के द्वारा प्राप्त होने के बावजूद सम्बन्धित शिक्षकों को आहरित नहीं किया जा रहा है। शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों द्वारा बार-बार अनुरोध के बाद भी व्यक्तिगत रूप से वित्त एवं लेखा कार्यालय द्वारा शिक्षकों से देयक पास करने के लिए सुविधा शुल्क की डिमांड की जा रही है।जिलाध्यक्ष अमित कुमार राय ने कहा कि कुछ शिक्षक साथी प्रबन्धकों से पीड़ित है। जिसे संज्ञान लेकर उचित कार्यवाही नहीं हो रही है। साथ ही एनपीएस, एरियर आदि का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है। मुख्य मांगों में शिक्षा निदेशक द्वारा एनपीएस के सम्बन्ध में प्राप्त निर्देश का अनुपालन नहीं हो रहा है। जिसमें नियोक्ता अंशदान 14 प्रतिशत एवं कर्मचारी अंशदान 10 प्रतिशत दोनों को कर्मचारी के वेतन के साथ प्रतिमाह प्रान खातें में अंकित करने का निर्देश है।एनपीएस की धनराशि को उपलब्ध होने के पश्चात भी विगत 16 माह से प्रान खातों में अंकित नहीं किया गया। महंत रामबरन दास इण्टर कालेज, भुड़कुडा के नौ अध्यापक/कर्मचारी की पत्रावली, सुभाष इण्टर कालेज फतेहउल्लाहपुर के प्रधानाचार्य व परिचारक का अवशेष देयक, हनुमान सिंह इण्टर कालेज देवकली के शिक्षकों एवं कर्मचारियों की छह पत्रावली व इण्टर कालेज खालिसपुर की दो पत्रावली, डॉ० सैय्यद महमूद इण्टर कालेज भितरी के अवशेष देयक सहित अनेक अध्यापकों के अवशेष देयक की पत्रावली जिनका भुगतान लटकाया गया है और सेवानिवृत्त शिक्षकों का माह मार्च से अब तक जीपीएफ का भुगतान कार्यालय के लापरवाही के कारण नहीं हो पाया है। धरना प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष नारायण उपाध्याय, सौरभ पाण्डेय, राणा प्रताप सिंह,विवेकानंद गिरी, डॉ रियाज अहमद, अखिलानंद पांडेय, मनोज विश्वकर्मा, सूर्यप्रकाश राय, रामजी प्रसाद, विनोद मिश्र, प्रत्यूष त्रिपाठी, उमेश कुमार राय, राकेश मिश्रा, विजय मिश्रा, अखिलेश सिंह, अमित यादव, कन्हैया गुप्ता, डॉ विष्णुशंकर पांडेय, विनय तिवारी, कार्तिकेय यादव, नीरज राय, रविन्द्र राम, रवि राय, बृजेश कुमार, आशुतोष तिवारी, कृष्ण बिहारी पांडेय, ओमनारायण राय आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अमित कुमार राय और संचालन जिला मंत्री शैलेन्द्र यादव ने किया।

छह मामलों में एक साथ सजा पाए बंदी को हाईकोर्ट से राहत, रिहाई के आदेश

याची अधिवक्ता अंकित सिंह की दलील के साथ रिट को हाईकोर्ट ने किया स्वीकार, मिला न्याय

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हाई कोर्ट के योग्य अधिवक्ता अंकित सिंह ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक बहुचर्चित मामले में अलीगढ़ जिला कारागार में बंद एक बंदी को राहत देते हुए आदेश दिया है कि विद्युत उपकरण चोरी के छह मामलों में उसे दी गई डेढ़-डेढ़ वर्ष की सजाएं एकसाथ चलेंगी। याची ने सभी मामलों में अपराध स्वीकार कर 'प्ली बार्गेनिंग' के आधार पर सजा प्राप्त की थी, लेकिन ट्रायल कोर्ट ने दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 427(1) के अंतर्गत सजाओं को एकसाथ चलाने का निर्देश नहीं दिया, जिससे कुल सजा नौ वर्ष हो गई।

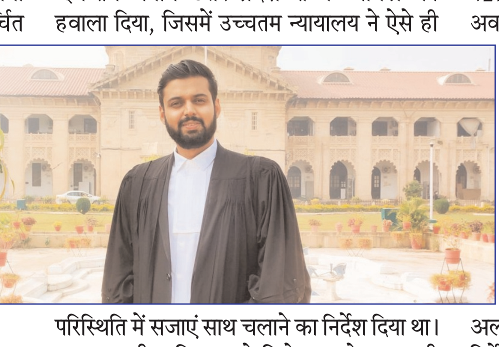

याची के अधिवक्ता अंकित सिंह ने तर्क दिया कि सभी मामलों में एक ही दिन दोषसिद्धि और सजा दी गई, अतः न्यायालय को विवेकाधिकार का प्रयोग करते हुए सजाएं एकसाथ चलाने का निर्देश देना चाहिए था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के 'इकराम बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' मामले का हवाला दिया, जिसमें उच्चतम न्यायालय ने ऐसे ही परिस्थिति में सजाएं साथ चलाने का निर्देश दिया था।

सरकारी अधिवक्ता ने विरोध करते हुए याची को आदतन अपराधी बताते हुए दया के योग्य न मानने की बात कही, किंतु उच्च न्यायालय ने इसे अस्वीकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि यदि सभी दोषसिद्धियां एक ही दिन हुई हों, तो ट्रायल कोर्ट को धारा 427 सीआरपीसी के अंतर्गत विवेकाधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

न्यायालय ने पाया कि याची को केवल इस तकनीकी चूक के कारण नौ वर्ष जेल में रहना पड़ेगा। जबकि सभी सजाएं एकसाथ चल सकती थीं। इसे जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन मानते हुए कोर्ट ने रिट याचिका स्वीकार की और आदेश दिया कि याची को दी गई सभी सजाएं एकसाथ चलेंगी। चूंकि याची द्वारा जुमार्ना जमा कर दिया गया है। अतः जिला कारागार अलीगढ़ को उसकी रिहाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, साथ ही इस आदेश की प्रति विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट) और जिला न्यायाधीश अलीगढ़ को अनुपालन हेतु भेजने का भी निर्देश दिया गया है।

मुंबई क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई: अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स गिरोह का भंडाफोड़, 7 गिरफ्तार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई क्राइम ब्रांच ने उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह द्वारा अपहृत कुख्यात ड्रग माफिया साजिद इलेक्ट्रिकंवाला को भी इस ऑपरेशन में सुरक्षित छुड़ा लिया गया। यह कार्रवाई ₹एंटी करप्शन क्राइम ऑफ इंडिया एलियस भ्रष्टाचार मुक्त भारत₹ संगठन की सतर्कता और पहल के परिणामस्वरूप संभव हो सकी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल गुप्ता ने मामले की गंभीर जानकारी मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती को व्यक्तिगत रूप से सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की विशेष टीम ने निरंतर निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर यह ऑपरेशन अंजाम दिया। मुख्य साजिशकर्ता सरवर खान समेत सभी 7 आरोपियों को गिरफ़्तार कर लिया गया है। इस सफलता में राष्ट्रीय कार्रवाई अध्यक्ष श्याम नारायण गुप्ता और मुंबई अध्यक्ष सुनील भिलारे की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। यह ऑपरेशन दिखाता है कि जब जागरूक नागरिक संगठन और सुरक्षा एजेंसियाँ एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो देश को ड्रग्स जैसे गंभीर खतरे से बचाया जा सकता है।

विधायक नरेंद्र मेहता के प्रयास से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मीरा भायंदर को कई विकास योजनाओं का दिया सौगात

उदयभान गुप्ता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर के विधायक नरेंद्र मेहता ने अपने जनसंपर्क कार्यालय में एक पत्रकार परिषद का आयोजन किया।इस पत्रकार परिषद में नरेंद्र मेहता ने कहा कि, विधानसभा के चुनाव से पहले मैं निरंतर प्रयास रत हूं इसी उद्देश्य से मैंने मीरा भायंदर क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों और नागरिकों की समस्याओं के संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के संबंध में मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल में सभी संबंधित विभागो के प्रधान सचिवो की एक विशेष बैठक आयोजित की। तथा निम्नलिखित निर्णय लिये धोकादायक पुरानी इमारतो के पुनर्विकास को स्वतन्त्र रूप से मंजूरी, महत्वपूर्ण सड़को को कंक्रीटी करने का निर्देश एम आर डी ए आयुक्त को दिये, नये राशन कार्यालय को चालू करने हेतु कर्मचारीयों की संरचना सहित प्रस्ताव को मंत्री मंडल में बैठक के लिए प्रस्तुत करना नये उपनिबंधक कार्यालय शुरू करने के लिए आवश्यक कर्मचारी उपलब्ध कराकर

प्रस्ताव को मंत्री मंडल बैठक में मंजूरी के लिए प्रस्तुत करने के निर्देश, मीरा-भायंदर शहर की हाउसिंग सोसायटीओ के लिए कन्वेन्स डीड प्रकिया हेतु सप्ताह में एक दिन जिला उपनिबंधक को मीरा-भायंदर शहर में उपस्थित रहने का विशेष आदेश दिया। मीरा-भायंदर शहर की जनता को सूर्यो प्रयोजना के तहत नवंबर 2025 तक पानी देने के निर्देश एम एम आर डी ए आयुक्त को दिये गये।पुलिस आयुक्तालय का मुख्य कार्यालय निर्माण हेतु आठ करोड़ रुपए की निधि मंजूर कराई और स्टाफ क्वार्टर निर्माण हेतु आवश्यक निधि का प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश। मीरा-भायंदर शहर के किसानों की भूमि मामलों के लिए प्रांताधिकारी को सप्ताह में एक दिन मीरा-भायंदर में उपस्थित रहने के निर्देश, शहर में बढ़ती क्षात्र संख्या को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कालेज टेक्निकल कालेज को मंजूरी देने के निर्देश शिक्षा विभाग को दिए गये। मीरा भायंदर महानगर पालिका द्वारा आरक्षण नियमों के विरुद्ध चल रहे कार्यों को तुरंत रोकने के आदेश महापालिका आयुक्त को दिये गये, मैट्रो कार्यो को बिना बिलंब के तेजी से पूर्ण करने के निर्देश एम एम आर डी ए को दिए गये। विधायक नरेंद्र मेहता ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा विकास कार्यों का जो सौगात दिया है उसके लिए विधायक ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

58 वर्षीय मरीज की जटिल सर्जरी बिना फेफड़ा निकाले सफल

गोपालगंज। कई अस्पतालों से लौटाए जाने के बाद जब उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी थीं, तब बिहार के 58 वर्षीय हरि नारायण सिंह को अमृता अस्पताल, फरीदाबाद में जीवन की नई सांस मिली। यहां डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने एक जटिल और दुर्लभ एंडोब्रोंकियल कारसिनॉयड ट्यूमर को ऑपरेशन से हटाया वो भी बिना फेफड़ा निकाले। शुरूआती लक्षण जैसे कि सांस फूलना और सीटी चेस्ट में रुकावट, कई अस्पतालों में अस्थमा के रूप में गलत समझे गए। अंततः एक सीटी स्कैन में उनके एयरवे में ट्यूमर की पुष्टि हुई।

वसई रोड मंडल कार्यकारिणी का विस्तार संपन्न, प्रज्ञा पाटील ने किया मार्गदर्शन

वसई। भाजपा के संगठनात्मक ढांचे को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से वसई-विरार भाजपा जिल्हा अध्यक्ष प्रज्ञा पाटील की उपस्थिति में वसई रोड मंडल की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। यह कार्यक्रम दीनदयालनगर स्थित मध्यवर्ती कार्यालय में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर दीपक शर्मा को पुनः मंडल सरचिटणीस पद पर नियुक्त किया गया, जबकि अर्जुन इंगोले को भी सरचिटणीस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही मार्कंड पांडे को वसई रोड मंडल के उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। महिला मोर्चा में प्रिया प्रेमळवर को पद देकर नियुक्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रज्ञा पाटील ने कहा कि केवल पद मिलना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कार्यकताओं और मतदाताओं से समय-समय पर प्रत्यक्ष संपर्क और संवाद करना आवश्यक है।इसी से पार्टी का कार्य सशक्त होगा और पार्टी आगे बढ़ेगी।।वनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आगामी नगर निगम चुनावों की दृष्टि से कार्ययोजना और संगठन को सशक्त करने पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, उत्तम कुमार, सकीना नूरानी, अपर्णा पाटील, केतन गांधी समेत कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पीजीआईएम इंडिया एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने रणनीतिक नेतृत्व परिवर्तन के तहत की नए सीईओ की नियुक्ति

मुंबई। पीजीआईएम इंडिया एसेट मैनेजमेंट ने आज अभिषेक तिवारी को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की हैए जो 1 सितंबरए 2025 से प्रभावी होगा। अभिषेकए अजीत मेनन का स्थान लेंगे, जिन्होंने पिछले सात वर्षों से सीईओ के रूप में कार्य करते हुए एक मजबूत ब्रांड बनाने में मदद की है। अजीत 1 सितंबर 2025 से कंपनी के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे।

अभिषेक तिवारी सात वर्षों से अधिक समय से पीजीआईएम इंडिया एएमसी में कार्यरत हैं, और हाल ही में कंपनी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। अपने कार्यकाल के दौरानए उन्होंने पीजीआईएम इंडिया की विस्तार रणनीति को आकार देनेए प्रमुख साझेदारियाँ बनाने और साल-दर-साल निरंतर वृद्धि को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पीजीआईएम इंडिया एएमसी के म्यूचुअल फंड, पीएमएस और अल्टरनेटिव्स व्यवसायों में कंपनी की सफलता को बढ़ाने में उनके नेतृत्व का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

पीजीआईएम में ग्लोबल वेल्थ के वाइस चेयरमैनए एशियाए डेविड चांग ने कहा, हमारे व्यवसाय के प्रति अभिषेक की गहरी समझ, उनका दूरदर्शी नेतृत्व और नवाचार के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता उन्हें पीजीआईएम इंडिया एएमसी के अगले अध्याय में नेतृत्व करने के लिए एक आदर्श व्यक्ति बनाती है। उन्होंने आगे कहा मैं पिछले आठ वर्षों में कंपनी के प्रति उनके नेतृत्वए कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के लिए अजीत का भी आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। अभिषेक तिवारी ने कहाए पीजीआईएम इंडिया एएमसी के लिए ऐसे रोमांचक समय में सीईओ की भूमिका निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। हम परिवर्तनकारी विकास के शिखर पर हैं, और मैं अपनी अद्भुत टीम के साथ मिलकर अपने ग्राहकों और हितधारकों को असाधारण मूल्य प्रदान करने के लिए तत्पर हूँ। यह नेतृत्व परिवर्तन पीजीआईएम इंडिया एएमसी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि यह तेजी से विकसित हो रहे एसेट मैनेजमेंट क्षेत्र में नवाचार और नेतृत्व जारी रखे हुए है।

पीएनबी ने देशव्यापी मेगा रिटेल आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया समूचे भारत के सपनों को साकार करने के लिए

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने देश भर में 130 से अधिक स्थानों पर ₹सपने कई, मंज़िल एक₹ की थीम के साथ एक मेगा रिटेल आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल को लोगों को बैंकिंग के करीब लाकर विविध वित्तीय आवश्यकताओं के मुताबिक रिटेल ऋण उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला तक तत्काल पहुँच प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था। इस आउटरीच में पीएनबी के शीर्ष प्रबंधन की सक्रिय भागीदारी रही, जिसमें एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र ने कोलकाता में इस अभियान की अगुवाई की और कार्यपालक निदेशक गणों व कारपोरेट कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर हिस्सा लिया जो वित्तीय समावेशन और ग्राहक-फर्स्ट बैंकिंग के प्रति बैंक की गहरी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस पहल के बारे में टिप्पणी करते हुए एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र ने कहाः पीएनबी का मेगा रिटेल आउटरीच प्रोग्राम बैंकिंग को अधिक सुलभ, समावेशी और जवाबदेह बनाने के हमारे मिशन का एक प्रमाण है। चाहे वह किसी को घर खरीदने, शिक्षा प्राप्त करने, या सतत ऊर्जा में निवेश करने में मदद करना हो, हमें लाखों लोगों के सपनों को सहारा देने पर गर्व है। पूरे भारत के ग्राहकों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया हमें नवाचार करते रहने और मूल्य प्रदान करने के लिए प्रेरित करती है।

कोर्ट के आदेश पर प्रेमी सिपाही और महिला पर मुकदमा दर्ज

पति, देवर, सास संग मारपीट का आरोप

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी के शिवपुर थाने में एसीपी कैंट आफिस में तैनात सिपाही प्रेमचंद्र के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार शिकायतकर्ता की पत्नी से सिपाही का अवैध संबंध है। सिपाही ने जान से मरने की धमकी भी दी है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसका और उसकी पत्नी का केस कोर्ट में विचाराधीन है। 11 मई को वह शिवपुर स्थित विशाल मेगा मार्ट में अपनी मां के साथ पहुंचा था। जहां मेरी पत्नी और उसका कांस्टेबल प्रेमी मौजूद थे। उन्होंने मेरी मां और मुझसे मारपीट की। आरोप है कि शिवपुर थाने ने कांस्टेबल के दबाव में उस दिन FIR नहीं लिखी ऐसे में कोर्ट का सहारा लेना पड़ा। फिलहाल कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2) और 352 में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता विवेक कुमार ने बताया - वह जौनपुर के रामपुर का रहने वाला है। उसकी शादी चोलापुर की रहने वाली ज्योति पटेल से हुई थी। विवाह के बाद से पत्नी का रवैया कुछ ठीक नहीं था। पता चला की उसके वाराणसी पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल से अवैध संबंध हैं। जिसके बाद संबंध विच्छेद के लिए हमारा वाद न्यायालय में चल रहा है। वहीं कांस्टेबल का भी अपनी पत्नी से वैवाहिक विवाद साल 2021 से ही चल रहा है। विवेक ने बताया- 11 मई 2025 को शाम में 7 बजे मां और भाई के साथ शिवपुर विशाल मेगा मार्ट गया था। यहां मेरी पत्नी भी अपने आरक्षी दोस्त के साथ खरीदारी कर रही थी। ज्योति ने मेरी मां को देखते हुए भद्दे कमेंट करने शुरू किए। तो मैंने मना किया जिसपर उसके कांस्टेबल साथी ने हमें और मेरे भाई को धमकाना शुरू किया और हमारे साथ मारपीट भी किया। इस पर हम शिवपुर थाने गए। पर कांस्टेबल के दबाव में हमारी एप्लिकेशन नहीं ली गई और न ही सुनवाई हुई। इसके बाद हमें पता चला कि ज्योति ने एक झूठा मुकदमा हमारे ऊपर कायम करवा दिया। ऐसे में हमने न्यायालय में गुहार लगाईं है। जिसके बाद यह आदेश हुआ है। थाना प्रभारी शिवपुर जगदीश कुशवाहा ने बताया- इस मामले में कोर्ट के आदेश पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों के सीडीआर और विशाल मेगा मार्ट का सीसीटीवी फुटेज चेक किया जा रहा है।

अब स्मार्ट मीटर से होगी बिजली की निगरानी- न चोरी चलेगी, न बकायेदार

-सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं के लिए अब स्मार्ट युग शुरू हो चुका है। सरकार की सख्ती और तकनीकी नवाचार के तहत अब स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के व्यवहार को न केवल मापेगा, बल्कि जरूरत पर उन्हें सबक भी सिखाएगा। जो उपभोक्ता लगातार बिजली बिल नहीं भर रहे हैं, उनके लिए अब नया झटका तैयार है। अब उनका पोस्टपेड कनेक्शन सीधे प्रीपेड में तब्दील कर दिया जाएगा। यानी अब बिजली भी मोबाइल जैसी पहले रिचार्ज, फिर उपभोग। मतलब साफ है स्मार्ट मीटर केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि उपभोक्ता जिम्मेदारी और प्रशासनिक पारदर्शिता की दिशा में बड़ा सुधार है। अब बिजली उपभोक्ता को अपनी खपत और भुगतान में अनुशासन लाना ही होगा, वरना बिजली एक क्लिक में बंद हो जाएगी झ न कोई नोटिस, न कोई मोहलत।

केंद्र सरकार की रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत पूरे प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। इस योजना में तीन चरणों में सभी घरेलू, व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को कवर किया जाएगा। एसडीओ जितेंद्र प्रसाद ने बताया कि स्मार्ट मीटर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पोस्टपेड से प्रीपेड और प्रीपेड से पोस्टपेड में किसी भी समय बदला जा सकता है और इसके लिए मीटर बदलने की आवश्यकता नहीं होगी। बिजली विभाग की रिपोर्ट बताती है कि हजारों उपभोक्ता जानबूझकर बिल भुगतान नहीं करते, जिससे विभाग को सालाना अरबों रुपये का नुकसान होता है। ऐसे उपभोक्ताओं पर अब टेक्नोलॉजी आधारित सख्ती शुरू हो चुकी है। शहर के पांडेयपुर एसडीओं कृष्णकांत ओझा व मडौली एसडीओ जितेंद्र प्रसाद कहते हैं, जो उपभोक्ता भुगतान नहीं कर रहे हैं, उनके पोस्टपेड कनेक्शन को विभाग सीधे प्रीपेड में बदल देगा। स्मार्ट मीटर छेड़छाड़ रहित होते हैं, पूरी तरह सील्ड होते हैं और हर गतिविधि का डेटा सिस्टम में लॉग होता है।

एसडीओं कृष्णकांत ओझा के अनुसार, स्मार्ट मीटर में यह फीचर भी होगा कि जैसे ही उपभोक्ता का बैलेंस खत्म होगा, वह अलर्ट देगा, लेकिन अगर रिचार्ज नहीं किया गया तो बिजली तुरंत बंद हो जाएगी। ऐसे में अब उपभोक्ताओं को पहले से प्लानिंग करनी होगी, जैसे वे मोबाइल फोन में बैलेंस रखते हैं।

बिजली विभाग ने अपील की है कि उपभोक्ता अपने मीटर की जानकारी ऑनलाइन जांचें, समय पर रिचार्ज करें और बिलिंग संबंधी शिकायतों से छुटकारा पाएं। सरकार की ओर से यह तकनीक उपभोक्ता के लिए सुविधा भी है और अनुशासन का संदेश भी।

पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक से मिले बीजेपी नेता एड रवि व्यास

भायंदर। मीरा भायंदर बसई विरार कमिश्नरेट के नवनियुक्त पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक पदभार संभालते ही कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने की दिशा में पूरी तरह से सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के 145 विधानसभा चुनाव प्रमुख एडवोकेट रवि व्यास ने उनके कार्यालय में जाकर उनका स्वागत किया तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी। श्री व्यास ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि नए आयुक्त न सिर्फ शहर की कानून व्यवस्था को पूरी तरह से चुस्त दुरुस्त रखेंगे अपितु पुलिस और जनता के बीच मधुर संबंध का भी निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि श्री कौशिक अनुभवी और सुलझे हुए अधिकारी हैं, जिसका पूरा लाभ मीरा भायंदर शहर की जनता को मिलेगा।

समाजसेवी देवेंद्र प्रताप सिंह का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर वेस्ट हिमालय सोसायटी के रहिवासी जाने माने समाजसेवी देवेंद्र प्रताप सिंह का जन्मदिन भजन कीर्तन के साथ धूम धाम से मनाया गया। उनके जन्मदिन पर बधाई देने वालों का लगा रहा तांता इस अवसर पर स्थानीय विधायक दिलीप मामा लांडे,नगरसेवक किरण लांडगे ने शाल और गुलदस्ता भेंकर शुभकामनाएं दिए तथा इसी कड़ी में भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलास पाठक, विमलेश दुबे,बंशीधर मिश्रा, संतोष सिंह,विनय सिंह,युवा नेता चंद्रेश दुबे,पत्रकार पवन पाठक, अभिषेक सिंह, हरीश पांडेय, संतोष शेट्टी,जेठा भाई भानुशाली,प्रेम भाई भानुशाली, अमरजीत सिंह,चंद्रभान सिंह सहित क्षेत्र के कई अन्य गणमान्य लोगों ने स्वागत कर बधाई के साथ शुभकामनाएं दिए। और पत्रकार एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश मिश्र ने अपनी शुभमनाएं प्रेषित कर उनके उज्वल भविष्य की कामना के साथ उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी।

वसई-विरार में डॉक्टर्स एसोसिएशन के साथ बैठक संपन्न, सांसद डॉ. हेमंत सावरा रहे उपस्थित

विरार। वसई-विरार नगर निगम मुख्यालय में डॉक्टर्स एसोसिएशन के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा और वसई-विरार नगर निगम के आयुक्त अनिल पवार विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य डॉक्टर्स एसोसिएशन के लंबित प्रश्नों और समस्याओं पर विचार-विमर्श करना था। चर्चा के दौरान एसोसिएशन से जुड़ी कई प्रमुख मांगों और समस्याओं पर अधिकारियों ने संज्ञान लिया और समाधान हेतु सकारात्मक रुख दिखाया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिल्हा अध्यक्ष प्रज्ञा पाटील, पूर्व जिल्हा अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, विरार पश्चिम मंडल अध्यक्ष विशाल राउत, मनोज पाटिल सहित डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रमुख पदाधिकारी और कई डॉक्टर उपस्थित थे।

बैठक में सहभागियों ने स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और डॉक्टरों के हितों की रक्षा हेतु समन्वय बनाकर कार्य करने का संकल्प लिया।

पीयू परिसर में संचालित विषयों में प्रवेश हेतु सूचना

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विषयों में सत्र 2025-26 में सम्बन्धित सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों द्वारा 17 जुलाई 2025 तक समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन फार्म आमन्त्रित किया गया है। उक्त पाठ्यक्रमों में 21 जुलाई 2025 समय 11:00 बजे से सम्बन्धित विभागों में मेरिट के आधार पर प्रवेश सम्पन्न कराया जायेगा। अभ्यर्थियों को जिन प्रपत्रों का प्रवेश हेतु साथ में लाना है, उनका विवरण वेबसाइट पर देख लें। अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त तिथि एवं समय पर सम्बन्धित विभाग में उपस्थिति होकर प्रवेश सुनिश्चित करा सकते है। उक्त से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.vbspu.ac.in पर उपलब्ध है।

बसवत की मनीषा आवास के लिए खा रही दर-दर की ठोकरें

गौराबादशाहपुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धमार्पुर के बसवत गांव की मनीषा देवी बीते कई वर्षों से अपने परिवार के साथ एक अदद पक्के घर की आस लगाए दर-दर की ठोकरें खा रही हैं। तमाम सरकारी योजनाओं और अधिकारियों से गुहार के बावजूद अब तक उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या किसी अन्य योजना के तहत छत नसीब नहीं हुई है। मनीषा का कहना है कि उन्होंने कई बार ग्राम प्रधान से अपनी व्यथा सुनाई पर हर बार आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला। बरसात के दिनों में उनके कच्चे झोपड़े में पानी टपकता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मनीषा जैसी कई महिलाएं हैं जो वर्षों से घर की उम्मीद में सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रही हैं, लेकिन भ्रष्टाचार और लापरवाही की वजह से उन्हें लाभ नहीं मिल रहा।

विशेष बच्चों के साथ जन्मदिन मनाकर लायन्स क्लब ने पेश की अनोखी मिसाल

न्यू पनवेल, नवीं मुंबई (न्उत्तरशक्ति)। न्यू पनवेल स्टील टाउन लायन्स क्लब ने इस वर्ष जन्मदिन को सिर्फ व्यक्तिगत खुशी तक सीमित न रखते हुए एक सामाजिक सरोकार से जोड़ दिया है। क्लब ने निर्णय लिया है कि वे मानसिक रूप से दिव्यांग और मूकबधिर आदिवासी विद्यार्थियों के साथ मिलकर हर माह जन्मदिन मनाएंगे।

इस अभिनव उपक्रम की प्रेरणा क्लब की अध्यक्ष लायन संगीता म्हात्रे के निजी अनुभव से मिली। वे वर्षों से अपने पुत्र का जन्मदिन रामचंद्र कुरुलकर निवासी विद्यालय में वहां के बच्चों के साथ मनाती आ रही हैं। वहां के वातावरण से प्रेरित होकर उन्होंने इसे क्लब के स्तर पर लागू करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदस्यों ने सहर्ष स्वीकारा। जुलाई माह में जिन क्लब सदस्यों का जन्मदिन था, उन्होंने इस उपक्रम के तहत रुबिना शेख और विराज सप्रे नामक दो विद्यार्थियों का जन्मदिन विशेष अंदाज में मनाया। केक काटा गया, गीत गाए गए, उपहार दिए गए,

और सबसे बढ़कर झ बच्चों को भरपूर प्रेम और अपनापन मिला।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहेः लायन मनोज कुरुलकर, शिक्षकगण, विद्यार्थी, और क्लब सदस्यगण- यशवंत ठाकरे, रेणू व घनश्यामदास आहुजा, मोहन प्रसादे, अमरेश जुलका, निशा शर्मा, लतीश व मीना शाह, परमजीत व हरनिष कौर, श्रेया तिवारी, जागृति पाटील, विनोद पाटील, राजेश कुमार, आशिष, आनंद लाडे, साथ ही क्लब की प्रेरणास्त्रोत संगीता म्हात्रे, रमाकांत म्हात्रे, और खारघर क्लब के सपोर्टर लायन आर एन यादवजी, जिनका हर गतिविधि में सक्रिय सहयोग मिलता रहा है। क्लब ने यह भी घोषणा की कि यह उपक्रम हर माह आयोजित किया जाएगा, और हर बार अलग-अलग सदस्य आयोजन की जिम्मेदारी निभाएंगे।

लायन्स क्लब ने कहा कि इन बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान ही हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। इस प्रकार का कार्य न केवल समाज में प्रेम और अपनत्व का संदेश देता है, बल्कि विशेष बच्चों के जीवन में एक सुखद अनुभूति और आत्मसम्मान की भावना भी जाग्रत करता है।

कपिल के अंदाज मेंइस हफ्ते का एपिसोड लेकर आ रहा है कॉमेडीकी बरसात

मुंबई। इस शनिवार, 19 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर देखिएद ग्रेट इंडियन कपिल शोमें जबरदस्त फिल्मी धमाका, जबसोन ऑफ सरदार 2की पूरी टीम शो पर हाजिर होगी। अजय देवगन, मृणाल ठाकुर, रवि किशन, दीपक डोबरियाल, कुब्रा सैत, संजय मिश्रा और विंदू दारा सिंह- सभी मिलेंगे कपिल और उनकी टीम से, लेकर आएंगे मस्ती, मसाला और ढेर सारे सरप्राइज. एक मजेदार पल में, कपिल ने अजय देवगन की हर प्रकार की शैलीकी तारीफ की - एक्शन से लेकर कॉमेडी और थ्रिलर तक जिस पर अजय देवगन ने अपने खास अंदाज में जवाब दिया। मैं असल में सिद्धू पाजी से सीखा हूं। उन्होंने एक रुमाल क्रिकेट में डाला है, एक पॉलिटिक्स में और यहां तो पूरी चादर है। लेकिन एपिसोड में केवल हंसी नहीं, दिल छू जाने वाले पल भी हैं। रवि किशन ने अपनी पत्नी के बारे में एक भावुक किस्सा साझा किया। मैं रोज रात को उसके पैर छूता हूं मुझे अच्छा लगता है, पर वो पैरछूने नहीं देती, लेकिन जब वो सो जाती है, तब मैं कोशिश करता हूं। जब कपिल ने इसका कारण पूछा, तो रवि किशन बोले, वो मेरी दुख की साथी है। जब मेरे पास कुछ नहीं था, उसने मेरा साथ नहीं छोड़ा। आज मैं जो कुछ भी हूं, वो मेरे साथ रही। मेरा बेटा भी सामने बैठा है, उसे पता है उसने मुझे कैसे संभाला वो पैर छूने लायक है!

किराये पर रह रहे युवक ने फांसी लगाकर दी जान, छानबीन में जुटी पुलिस

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति) ।जनपद के कैंट थाना क्षेत्र के टकटकपुर पार्वती नगर कॉलोनी में युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की। घटना की छानबीन जारी है। लंका थाना क्षेत्र के भगवानपुर निवासी उपेंद्र सिंह पुत्र स्व. सुरेंद्र सिंह (35 वर्ष) टकटकपुर के पार्वती नगर कॉलोनी में किराये पर कमरा लिया था। 13 जुलाई को परिवार के साथ वहां रहने गया था। उपेंद्र का शव किचन में फांसी के फंदे से लटकता मिला। यह देख परिजनों में कोहराम मच गया। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई। उपेंद्र की पत्नी प्रीति सिंह अजय विहार कॉलोनी स्थित निफ्ट गर्ल्स हॉस्टल में गार्ड हैं। दंपती की शादी को 15 वर्ष हो चुके थे और उन्हें एक 14 वर्षीय बेटा व 9 वर्षीय बेटी है।

33 दुकानों पर छापा, सात उर्वरक लाइसेंस निलम्बित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में तहसीलवार एसडीएम व कृषि विभाग के अधिकारियों की टीम गठित कर सभी 33 उर्वरक की दुकानों पर छापा मारा गया। इस दौरान उर्वरक की सात दुकानें बंद पाए जाने पर उनके लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। वहीं 17 नमूने लिए गए जबकि चार प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया? जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह ने बताया कि किसानों को उचित मूल्य पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक मिले इसके लिए केराकत क्षेत्र में सीडीओ, एसडीएम, बीडीओ, केराकत व कृषि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से तहसील केराकत में बहुद्देशीय साधन सहकारी समिति नरहन का निरीक्षण किया। तहसील मड़ियाहूं में भूमि संरक्षण अधिकारी तहसील शाहगंज में वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-ए एवं तहसील सदर में उप कृषि निदेशक के नेतृत्व में छापे की कार्यवाही की गई। निरीक्षण के दौरान उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों के स्टॉक एवं बिक्री रजिस्टर, उर्वरक प्राधिकार पत्र, पीओएस मशीन के सापेक्ष स्टॉक, रेट एवं स्टॉक बोर्ड जांच की गई। कुल 33 उर्वरक बिक्री प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, 17 नमूने लिए गए गये एवं सात उर्वरक लाइसेंस निलम्बित किया गया। जबकि चार प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस जारी की गयी।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क बनी तालाब, स्कूली बच्चों और राहगीरों की बढ़ी मुश्किलें

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकास खंड मछलीशहर के ग्राम पंचायत रामगढ़ स्थित बंधवा बाजार की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क पर जलनिकासी की बदहाल व्यवस्था ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। गुरुवार सुबह हुई बारिश के बाद यह सड़क तालाब में तब्दील हो गई। कट स्टोन धंसने और नाली की सफाई न होने के चलते सड़क पर पानी भर जाता है। इस जलजमाव के बीच से गंगादीन रामकुमार इंटर कॉलेज, कंचन बालिका इंटर कॉलेज, ऑक्सफोर्ड टाउन इंग्लिश स्कूल, स्टर्लिंग स्कूल और कम्पोजिट विद्यालय रामगढ़ के सैकड़ों छात्रों का रोज आना-जाना होता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पानी भर जाने से स्कूली बच्चे साइकिल से गिर जाते हैं और राहगीरों को कीचड़ व जलभराव के बीच गुजरना पड़ता है। बंधवा बाजार आने-जाने वाले व्यापारियों और आम जनता को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क की मरम्मत कर उचित जल निकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि जनता को राहत मिल सके।